सांध्य दैनिक
श्रीकंचनपथ
लीपा पोती नहीं सिर्फ सच
RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

वर्ष- 16 अंक - 327 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 09 सितंबर 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

हैकर ने दुर्ग यूनिवर्सिटी की वेबसाइट पर पीएम मोदी को गाली लिखी पोस्टर लगाया, हड़कंप

दुर्ग। हेमचंद यादव विश्वविद्यालय की वेबसाइट सोमवार को हैक हो गई। पाकिस्तानी हैकर्स ने डीयू की वेबसाइट को हैक कर पीएम मोदी को गाली लिखी पोस्टर अपलोड कर दिया। जब छात्रों ने वेबसाइट खोली तो सामने पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे चिपके नजर आए। हैकर्स ने पोस्ट डालकर भारत का मजाक उड़ाया। यह मामला सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। जिससे विश्वविद्यालय प्रशासन की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े हो गए। हर बार की तरह इस बार भी न तो विश्वविद्यालय प्रबंधन को इसकी भनक लगी और न ही वेबसाइट संभालने वाली निजी एजेंसी को। छात्रों ने जब वेबसाइट खोली तब जाकर खुलासा हुआ। परीक्षा रिजल्ट और एडमिशन से जुड़ा हर काम इसी वेबसाइट पर निर्भर है। लगातार हैकिंग से छात्रों को बार-बार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सोमवार शाम तक वेबसाइट हैकर्स के कब्जे में रही। शाम के बाद इसे सुधारा गया। इस बीच वेबसाइट के स्क्रीन शॉट तेजी से वायरल हो गए। छात्रों का कहना है कि, ये सिर्फ पढ़ाई का मामला नहीं, बल्कि देश की सुरक्षा से भी जुड़ा सवाल है।

छत्तीसगढ़ के 33 जिलों में यलो अलर्ट, आंधी की चेतावनी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में आज हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने पूरे प्रदेश के लिए यलो अलर्ट जारी किया है। इस दौरान गरज-चमक के साथ बिजली गिर सकती है। आंधी चल सकती है। बस्तर, दंतेवाड़ा, बीजापुर और सुकमा इन चार जिलों में भारी बारिश का भी यलो अलर्ट है।

सोमवार को रायपुर, दुर्ग और सरगुजा संभाग के एक से दो जगहों पर भारी बारिश हुई है। रायपुर में दोपहर के बाद मौसम बदला और तेज बारिश हुई। वहीं प्रदेश के अन्य संभागों में बादल गरजने के साथ हल्की से मध्यम बारिश रिकॉर्ड की गई। ओवल ऑल बात करें तो 8 सितंबर तक प्रदेश में मानसून का 86 प्रतिशत कोटा पूरा हो चुका है। सामान्य तौर पर औसत 1143.3 मिमी बारिश होती है, जबकि अब तक 987.5 मिमी वर्षा हो चुकी है।

महतारी वंदन, सुपोषण जैसी योजनाओं को यूनिसेफ इंडिया ने सराहा, विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में करेंगे सहयोग

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से यूनिसेफ इंडिया के प्रतिनिधिमंडल ने की सौजन्य भेंट

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से सोमवार को मंत्रालय महानदी भवन में यूनिसेफइंडिया के प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने विकसित छत्तीसगढ़ बनाने की दिशा में राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की और यूनिसेफकी ओर से तकनीकी सहयोग उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता जताई। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने यूनिसेफ इंडिया के सहयोग का स्वागत करते हुए कहा कि यूनिसेफद्वारा विश्वभर में जनकल्याण हेतु विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा रहा है।

सीएम साय ने कहा कि यूनिसेफ की तकनीकी विशेषज्ञता का लाभ छत्तीसगढ़ को मिलेगा। मुख्यमंत्री ने अंजोर विजन 2047 दस्तावेज़ के अंतर्गत सरकार की प्राथमिकताओं को प्रतिनिधिमंडल के साथ साझा किया। मुख्यमंत्री को यूनिसेफ के प्रतिनिधिमंडल ने छत्तीसगढ़ में यूनिसेफद्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रगति से अवगत कराया। यूनिसेफ इंडिया की फील्ड सर्विसेज प्रमुख सुश्री सोलेदाद हेरेरो ने राज्य की पोषण संबंधी पहल और विकसित छत्तीसगढ़ निर्माण की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की।

सीएम ने की छत्तीसगढ़ में यूनिसेफ इंडिया के कार्यों की सराहना

सीएम साय ने यूनिसेफ इंडिया द्वारा छत्तीसगढ़ में किए जा रहे योगदान की सराहना की और भविष्य में भी अंजोर विजन 2047 के लक्ष्यों को केंद्र में रखते हुए विभिन्न क्षेत्रों में तकनीकी सहयोग की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2047 तक विकसित भारत बनाने का आह्वान किया है। उसी कड़ी में छत्तीसगढ़ सरकार भी विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए संकल्पित है और इसके लिए अंजोर विजन 2047 दस्तावेज़ तैयार किया गया है। सीएम ने किशोरियों के सशक्तिकरण के लिए बेहतर स्वास्थ्य शिक्षा के महत्व पर भी चर्चा की।

महतारी वंदन योजना महिला सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा कदम

सुश्री हेरेरो ने कहा कि महतारी वंदन योजना महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने बताया कि यूनिसेफछत्तीसगढ़ में हमर स्वस्थ लइका कार्यक्रम में भी सहयोग प्रदान कर रहा है, जिसके अत्यंत सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। इस पहल को मध्यप्रदेश, राजस्थान और ओडिशा जैसे अन्य राज्यों द्वारा भी अपनाया जा रहा है।इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत, महिला एवं बाल विकास विभाग की सचिव शम्मी आबिदी, स्वास्थ्य सचिव अमित कटारिया, यूनिसेफ छत्तीसगढ़ के प्रमुख विलियम हैनलॉन जूनियर तथा डॉ. बाल परितोष दास भी उपस्थित रहे।

पीवीटीजी का उत्थान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि अंजोर विजन 2047 के तहत आदिवासी समुदाय, विशेषकर विशेष पिछड़ी जनजातियों (पीवीटीजी) का उत्थान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। शिशु मृत्यु दर, कुपोषण सहित स्वास्थ्य एवं पोषण के सूचकांकों को बेहतर बनाने में यूनिसेफका सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण होगा।

झांकी दर्शन : विविध पौराणिक प्रसंगों एवं आधुनिक घटनाओं पर आधारित झांकियां बनी आकर्षण का केन्द्र

■ झांकियों को देखने रायपुर में उमड़ा जनसैलाब, ऐतिहासिक विसर्जन झांकी में पहुंचे मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय रविवार की देर रात राजधानी रायपुर के हृदयस्थल जयस्तंभ चौक स्थित नगर निगम द्वारा निर्मित स्वागत मंच पर पहुंचे और ऐतिहासिक गणेश विसर्जन यात्रा में शामिल होकर झांकियों का अभिनंदन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि रायपुर की गणेश विसर्जन झांकी अत्यंत ऐतिहासिक परंपरा का प्रतीक है। इस अवसर पर उन्होंने विघ्नहर्ता श्री गणेश से छत्तीसगढ़ की खुशहाली और समृद्धि की कामना भी की। मुख्यमंत्री श्री साय ने ऐतिहासिक विसर्जन यात्रा में आमंत्रित करने के लिए आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

उल्लेखनीय है कि विगत दिवस राजधानी रायपुर में शाम 8 बजे से ही गणेश झांकी यात्रा प्रारंभ हो गई थी। इस बार भी निर्धारित रूट पर शारदा चौक से झांकियों को टोकन प्रदान किया गया। झांकियां तेलघानी नाका, राठौर चौक और तात्यापारा से होकर शारदा चौक में एकत्रित हुईं, तत्पश्चात एक-एक कर आगे बढ़ीं। ये सभी झांकियां जयस्तंभ चौक से होते हुए मालवीय रोड, सदर बाजार, कंकालीपारा, पुरानी बस्ती, लाखेनगर, अश्वनी नगर, सुंदर नगर और रायपुरा मार्ग से होकर महादेव घाट तक पहुंचीं। इस वर्ष भी झांकियों को विभिन्न विषयों पर आकर्षक रूप से सजाया गया। इनमें विविध पौराणिक प्रसंगों के साथ-साथ ऑपरेशन सिंदूर और राफेल विमान की झलक भी देखने को मिली। रायपुर की सड़कों पर झांकी के रूप में राफेल विमान का दृश्य विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। एक झांकी में बप्पा छत्तीसगढ़ी पारंपरिक परिधान में विराजमान दिखाई दिए। इन झांकियों को देखने के लिए न केवल रायपुर शहरवासी बल्कि आसपास के ग्रामीण भी बड़ी संख्या में राजधानी पहुंचे। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री खुशवंत साहेब, विधायक मोतीलाल साहू, विधायक पुरंदर मिश्रा तथा रायपुर नगर निगम महापौर मीनल चौबे सहित बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

एमपी के बाद गुजरात व ओडिशा सरकार ने छत्तीसगढ़ को दिए 5-5 करोड़, सीएम साय ने जताया आभार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में बाढ़ प्रभावितों के लिए गुजरात व ओडिशा सरकार ने भी राहत राशि का ऐलान किया है। गुजराज के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल व ओडिशा के सीएम मोहन चरण मांझी ने 5-5 करोड़ रुपए की राहत राशि का ऐलान किया। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने गुजरात और ओडिशा के मुख्यमंत्रियों द्वारा बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के लिए राहत राशि उपलब्ध कराने पर धन्यवाद और आभार व्यक्त किया है।

एक्स पर पोस्ट कर सीएम साय ने कहा कि भूपेंद्र पटेल जी, मुख्यमंत्री गुजरात और मोहन चरण मांझी, मुख्यमंत्री ओडिशा का छत्तीसगढ़ की बाढ़ आपदा के समय 5-5 करोड़ की राहत राशि उपलब्ध कराने के लिए आभार। आपका यह सहयोग बस्तर संभाग के प्रभावित परिवारों के लिए त्वरित राहत सुनिश्चित करेगा और हमारी आपदा प्रबंधन की क्षमता को मज़बूती देगा। आपका यह व्यावहारिक समर्थन हमारे साझा दायित्व और परस्पर सहयोग की मिसाल है। छत्तीसगढ़ सरकार और यहाँ की जनता की ओर से इस सहयोग के लिए आपका हार्दिक धन्यवाद।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि यह सहयोग कठिन समय में प्रभावित परिवारों तक त्वरित राहत पहुंचाने में मदद करेगा। साथ ही, इससे छत्तीसगढ़ की आपदा प्रबंधन प्रणाली को भी मजबूती मिलेगी। उन्होंने इसे राज्य सरकार और अन्य राज्यों के बीच आपसी समन्वय का सकारात्मक उदाहरण बताते हुए कहा कि संकट की घड़ी में एकजुटता ही सबसे बड़ा सहारा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि प्राकृतिक आपदा के समय मानवीय सहयोग ही सबसे बड़ी शक्ति होती है। उन्होंने विश्वास जताया कि दोनों राज्यों द्वारा प्रदान की गई सहायता प्रभावित परिवारों के पुनर्वास, राहत सामग्री, स्वास्थ्य सेवाओं और अन्य आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

बीजापुर में नक्सलियों की बड़ी साजिश नाकाम, सुरक्षाबलों ने डिफ्यूज किया 10 किलो का आईईडी बम

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में सुरक्षा बलों ने मंगलवार को एक बड़ी नक्सली साजिश को समय रहते विफल कर दिया। नक्सलियों ने चेरपाल पेद्दाकोरमा मार्ग पर सुरक्षाबलों और आम नागरिकों को निशाना बनाने के लिए शक्तिशाली विस्फोटक आईईडी बिछाया था। लेकिन सतर्क जवानों ने इस खतरे को पहले ही पहचान लिया और उसे सुरक्षित तरीके से नष्ट कर दिया। इस कार्रवाई का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें विस्फोटक को निष्क्रिय करने की पूरी प्रक्रिया दिखाई दे रही है।

घटना थाना गंगालूर क्षेत्र की है। मिली जानकारी के अनुसार, डीआरजी बीजापुर और केरिपु 222 की संयुक्त टीम इलाके में सर्चिंग

अभियान पर निकली थी। इसी दौरान चेरपालङ्कपेद्दाकोरमा मार्ग पर जवानों की नजर सड़क किनारे बिछाए गए इलेक्ट्रिक तार पर पड़ी। यह देखकर उन्हें नक्सली साजिश का शक हुआ। जवानों ने आसपास की गहन तलाशी शुरू की और पूरे क्षेत्र को घेर कर जांच की। जांच के दौरान सड़क किनारे एक स्टील के टिफिन बॉक्स में छिपाकर रखा गया विस्फोटक बरामद हुआ। विशेषज्ञों ने जांच कर बताया कि इसमें लगभग 10 किलोग्राम का टिफिन बम और 3 किलोग्राम वजन का बीजीएल सेल आईईडी शामिल था।

विस्फोटक की जानकारी मिलते ही बम निरोधक दस्ते बीजापुर और केरिपु 222 वाहिनी के विशेषज्ञ मौके पर पहुंचे। उन्होंने पूरे इलाके को खाली कराया और बेहद सावधानी से विस्फोटक को निष्क्रिय किया। जवानों की सतर्कता और समय पर कार्रवाई ने नक्सलियों की योजना को नाकाम कर दिया। पुलिस अधिकारियों ने जवानों की सतर्कता की सराहना करते हुए कहा कि उनके समय पर कदम उठाने से एक बड़ी दुर्घटना टल गई। पुलिस का कहना है कि नक्सलियों की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है और आने वाले समय में भी ऐसे खतरों को विफल करने के लिए अभियान जारी रहेगा।

बीजापुर में चार नक्सली गिरफ्तार, सभी पर था पांच लाख रुपए का इनाम

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी मिली है। जिले में चलाए जा रहे नक्सल विरोधी अभियान के तहत डीआरजी, थाना बासागुड़ा, कोबरा 210 और सीआरपीएफ229 की संयुक्त टीम ने चार नक्सलियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार नक्सलियों में तीन महिला नक्सली भी शामिल हैं। इन पर पांच लाख रुपए का इनाम भी घोषित किया गया था।

मिली जानकारी के अनुसार सुरक्षाबलों की टीम ने पुतकेल पोलमपल्ली क्षेत्र में सर्चिंग ऑपरेशन के दौरान चार नक्सलियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए नक्सलियों पर कुल पांच लाख रुपये का इनाम घोषित था। इन

नक्सलियों के खिलाफ थाना बासागुड़ा में विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर कोर्ट में पेश किया गया। सुरक्षा बलों ने नक्सलियों के कब्जे से भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री, बिजली के तार, कार्डेक्स वायर, सेफ्टी फ्यूज, पॉवर सोर्स बैटरी, जमीन खोदने के औजार, प्रतिबंधित माओवादी संगठन के शासन विरोधी प्रचार-प्रसार से जुड़ी सामग्री और पाम्पलेट बरामद किए हैं।

गिरफ्तार नक्सलियों में हेमला भारती ऊर्फ जोगी उम्र 19 वर्ष निवासी गोडिनगटटापारा, पोलमपल्ली इनाम दो लाख, जोगी मिड़ियम पीएलजीए सदस्य, उम्र 22 वर्ष, निवासी गेडिनगटटापारा, पोलमपल्ली इनाम एक लाख, देवा हेमला (पीएलजीए सदस्य), उम्र 28 वर्ष, निवासी गोडिनगटटापारा पोलमपल्ली इनाम एक लाख और डोडी हीरे ऊर्फ शांति उम्र 25 वर्ष निवासी गुण्डम थाना तर्रेम, इनाम एक लाख शामिल हैं।

ऊंट के आंसू और सांप का जहर

श्रीकंचनपथ

गुस्ताखी माफ - दीपक रंजन दास

जहरीले सर्प के काटने पर मरीज को एंटीवेनम का इंजेक्शन देकर उनकी जान बचाई जाती है। सर्प जहरीला न हो तो मरीज झाड़-फूंक और जड़ी बूटी के इलाज से भी ठीक हो जाता है। अधिकांश सांप जहरीले नहीं होते इसलिए गांव देहात में सर्पदंश का घरेलू इलाज काम कर जाता है। पर सर्प यदि जहरीला हो तो समय पर एंटीवेनम का इंजेक्शन लगने से ही उसकी जान बच सकती है। आखिर यह एंटीवेनम बनता कैसे है? एंटीवेनम, घोड़ों या अन्य ताकतवर जानवरों को सांप या अन्य विषैले जानवरों के थोड़े-थोड़े जहर से प्रतिरक्षित करके बनाया जाता है। इससे जानवरों की प्रतिरक्षा प्रणाली शक्तिशाली एंटीबॉडी बनाती है, जिन्हें बाद में रक्त से निकालकर शुद्ध किया जाता है। ये शुद्ध किए गए एंटीबॉडी ही एंटीवेनम हैं, जिसका इंजेक्शन सर्पदंश के शिकार इंसानों को दिया जाता है, जहां वे जहर के विषाक्त पदार्थों के साथ जुड़कर उन्हें बेअसर कर देते हैं। दुबई के वेटेरिनरी रिसर्च लैबोरेटरी के एक शोध के अनुसार ऊंटों को पहले सॉ-स्केल्ड वाइपर का जहर दिया गया। ऊंट की प्रतिरोध क्षमता काफी अच्छी होती है। इसके बाद ऊंट के आंसुओं के सैम्पल लिये गये। आंसू की इन बूंदों में 26 किस्म के सांपों के जहर को निष्क्रिय करने की क्षमता पाई गई। हालांकि, यह रिसर्च अभी पूरी नहीं हुई है किन्तु अगर यह सफल हुई तो सर्पदंश के इलाज की पूरी दुनिया ही बदल जाएगी। एक तरफ जहां सर्पदंश का इलाज ढूंढा जा रहा है वहीं दूसरी तरफ देश में भयानक विषधर सर्पों की तस्करी भी जारी है। विदेशी कुत्तों, बिल्लियों और परिन्दों की तो बाजार में अच्छी खासी मांग है जो तस्करी को बढ़ावा दे रही है पर इनके साथ ही दुर्लभ एवं संरक्षित प्राणियों की भी तस्करी हो रही है। इन्हीं में शामिल हैं अत्यंत विषैले सर्प। तीन महीने पहले मुंबई एयरपोर्ट पर एक भारतीय नागरिक को 47 विषैले सर्पों के साथ गिरफ्तार किया गया था। उसके पास एक बैग था जिसमें एशियाई लीफटर्टल के साथ ही 3 स्पाइडर- टेल्ड हॉर्नड वाइपर और 44 इंडोनेशियाई पिट वाइपर थे। एक सर्प मरा हुआ था। जानकारों की मानें तो सांपों का उपयोग चिकित्सा अनुसंधान और पारंपरिक चिकित्सा, दुर्लभ औषधि निर्माण में किया जाता है। पर इससे भी बड़ा बाजार नशीले पदार्थ तैयार करने का है। इसलिए खतरनाक विषधरों का मूल्य लाखों में होता है। कुछ लोग सर्पों को पालते भी हैं पर इनकी संख्या सीमित है। अपने प्राकृतिक आवास में सर्प लगभग मुफ्त में मिल जाते हैं पर जहां उनकी मांग होती है वहां उनकी कीमत लाखों में होती है। यही कारण है कि तस्कर रिस्क लेते हैं। इसका एक कारण यह भी है कि जानवरों की तस्करी के मामलों में सजा कम और लाभ ज्यादा है। एंटीवेनम की जरूरत तो कभी कभार पड़ती है पर नशे के शौकीनों का एक नेटवर्क तैयार हो गया तो यह लगातार सोने का अंडा देने वाली मुर्गी साबित होती है।

संपादकीय

असली समस्या वहीं की वहीं खड़ी

प्रधानमंत्री मोदी की हालिया चीन यात्रा को दोस्ती की शुरुआत के तौर पर प्रचारित किया गया। लेकिन असली हालात इतने आसान नहीं हैं, जैसे बताए जा रहे हैं। भारत और चीन की नजदीकी असल में अस्थायी रु कावट जैसी है, न कि भरोसेमंद रिश्ते की नई शुरुआत। कूटनीतिक जानकार इस नई दोस्ती पर फूंक-फूंक कर कदम बढ़ाने की सलाह दे रहे हैं क्योंकि चीन के साथ भारत के आयात-निर्यात में भारी असमानता है। इसलिए जल्दबाजी में जोखिम की अधिक आशंकाएं जताई जा रही हैं।

निस्संदेह प्रधानमंत्री की यात्रा से चीन के साथ रिश्तों की बर्फ पिघली है। दोनों देशों के बीच इस निकटता से कुछ क्षेत्रों में सहयोग के संकेत जरूर मिले। चीन ने कहा कि वह इलेक्ट्रॉनिक्स और गाड़ियों के क्षेत्र में भारत के साथ नये सिरे से काम करेगा। सीधी उड़ानें फिर से शुरू करने, वीजा नियम आसान करने और कुछ निर्यात पाबंदियां हटाने का वादा किया। अमेरिका के भारी टैक्सों के दबाव में फंसे भारत के लिए ये कदम थोड़ी राहत लेकर आए। मोदी और शी जिनपिंग ने कहा कि भारत और चीन 'साझेदार हैं, दुश्मन नहीं।' इससे दोस्ती का माहौल बना, लेकिन असली समस्या वहीं की वहीं खड़ी दिखती है। चीन लगातार पाकिस्तान का समर्थन करता है। पाकिस्तान में अरबों डॉलर लगाता है, सैन्य और परमाणु मदद देता है और उसकी ढाल बनता है। इससे भारत के लिए दो तरफ से सुरक्षा का खतरा हमेशा बना रहता है, जिसे कोई भी मुलाकात नहीं बदल सकती।

चीन की बेल्ट एंड रोड योजना भी भारत के लिए चिंता का कारण है। श्रीलंका, मालदीव, नेपाल, बांग्लादेश और म्यांमार तक चीन अपने प्रोजेक्ट्स फैला रहा है। ये सिर्फ विकास के काम नहीं हैं, बल्कि एक तरह का घेरा हैं, जिससे भारत का प्रभाव अपने ही पड़ोस में कम हो रहा है। आर्थिक स्थिति भी भारत के अनुकूल नहीं है। चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा 90 अरब डॉलर से ज्यादा हो चुका है। भारत चीन से बहुत ज्यादा सामान खरीदता है, लेकिन चीन भारत से बहुत कम खरीदता है। इससे भारत चीन पर निर्भर हो जाता है, लेकिन उसे उतना फायदा नहीं मिलता। उड़ानों या वीजा में ढील जैसी चीजें इस बड़े घाटे और अमेरिकी टैक्स से हुए नुकसान की भरपाई नहीं कर सकतीं। भारत-चीन-रूस धुरी की चर्चा ज्यादा नाटकीय कथा जैसी लगती है, इस नई जुगलबंदी में दूरगामी और व्यावहारिक कूटनीतिक संतुलन जैसी नहीं बात नहीं लगती। भारत और चीन एशिया में फिर से अपना प्रभाव बढ़ाने के मामले में अतीत से ही प्रतिद्वंद्वी हैं। जाहिर है इनकी बुनियादी दृष्टि परस्पर विरोधी है। चीन वर्चस्व स्थापित करना चाहता है, पाकिस्तान को समर्थन देता है और भारत के पड़ोस में प्रभाव बनाना चाहता है। वहीं भारत इसका जवाब अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ क्वाड जैसे बहुपक्षीय गठबंधनों से देता है। रूस, जो यूक्रेन युद्ध के बाद चीन पर और अधिक निर्भर हो गया है, इस धुरी में और भी असंतुलन पैदा करता है। ऐसी स्थिति में भारत के एक 'छोटे खिलाड़ी' की तरह सिमट जाने का खतरा है। इस स्थिति को भारत कभी गवारा नहीं करता। देश के भीतर कई विदेश मामलों के जानकार मानते हैं कि भारत ने यह जो नया रास्ता पकड़ा है, वह वास्तव में गुटनिरपेक्ष और मुद्दा-आधारित परंपरा से भटकाव है। यह विरोधाभास प्रधानमंत्री की हालिया चीन यात्रा में साफ दिखाई दिया। सात साल बाद मोदी की चीन यात्रा एक अहम पड़ाव रही। मोदी और शी ने सहमति जताई कि मतभेदों को विवादों में नहीं बदलने दिया जाएगा और आपसी भरोसा, सम्मान और संवेदनशीलता भविष्य के रिश्तों की नींव होंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने सीमा पर शांति को द्विपक्षीय रिश्तों की 'बीमा पॉलिसी' बताया। दोनों पक्षों ने हालिया डिसइंगेजमेंट और स्थिर माहौल को सकारात्मक कदम के रूप में रेखांकित किया। रिश्तों में आई नरमी से जो ठोस कदम उठते दिखे उनमें शामिल रहे- लिपुलेख, शिपकी ला और नाथू ला दरे से सीमा व्यापार का पुनर्आरंभ। दोनों नेताओं ने कहा कि उनकी अर्थव्यवस्थाएं वैश्विक व्यापार में स्थिरता की भूमिका निभाती हैं। व्यापार असंतुलन दूर करने के लिए रणनीतिक दृष्टि से सहयोग बढ़ाने का वादा किया गया। मोदी ने शी को 2026 में भारत में होने वाले ब्रिक्स सम्मेलन के लिए आमंत्रित किया। अच्छी बात है कि प्रधानमंत्री मोदी ने सीमा-पार आतंकवाद का मुद्दा उठाया और सहयोग की जरूरत पर जोर दिया। यह भी दोहराया कि भारत-चीन संबंधों को किसी तीसरे देश के चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने रणनीतिक स्वायत्तता और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की वकालत की। विपक्षी दलों की प्रतिक्रिया तीखी रही। जयराम रमेश ने मोदी पर 'ड्रैगन के आगे झुकने' और आतंकवाद पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाया। अमेरिका में व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने मोदी की आलोचना करते हुए कहा 'वे दो सबसे बड़े अधिनायकवादी नेताओं' के साथ निकटता बना रहे हैं। कई विश्लेषकों ने एससीओ की सैन्य परेड में मोदी की उपस्थिति को कूटनीतिक सफलता नहीं, बल्कि छवि की समस्या माना-जैसे भारत पश्चिमी लोकतांत्रिक खेमे से दूर हो रहा हो।

सुषमा के स्नेहिल सृजन छंद-पूर्वाक्षरी अलंकृत मनहरण घनाक्षरी

पुरुषार्थ
धर्म शास्त्र अनुसार, त्रिवर्ग कर्तव्य पूर्ण,
आधार है सर्वश्रेष्ठ,
ईश्वर आभास का।
अर्थ का संचय वही, करते अज्ञानी जन,
अधिक न श्रेष्ठ कभी,
करना प्रयास का।
काम वासना से परे, हृदय आनंद भरे,
'सुषमा' उद्देश्य लक्ष्य,
सिद्धांत विश्वास का।
मोक्ष प्राप्ति साधन है, चतुर्विध पुरुषार्थ,
शास्त्र विधि संरचना,
वैकुण्ठ निवास का।

कवयित्री सुषमा प्रेम पटेल (रायपुर)

महिलाओं के सशक्तिकरण के क्षेत्र में मिसाल बन रहा बिहार

डॉ. दर्शनी प्रिय

बिहार अपनी बदली आबोहवा में नये प्रयोगों के जरिए नई पहचान बना रहा है। पिछले पंद्रह वर्षों के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के शासन में महिलाओं को केंद्र में रखकर ऐसी अनेक योजनाएं बनी जिसने इस सूबे की स्त्री हितैषी तस्वीर खींची, चाहे स्कूली लड़कियों को साइकिल देने की बात हो या शराबबंदी या अब मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना। इन सबमें कहीं-न-कहीं राज्य की एक कल्याणकारी तस्वीर प्रतिबिंबित होती रही। इसने सामाजिक और आर्थिक पिछड़ेपन के लिए बदनाम इस राज्य की तस्वीर बदल दी है।

आज स्थिति यह है कि यह महिलाओं के सशक्तिकरण के क्षेत्र में मिसाल बन रहा है। इसका श्रेय निश्चित रूप से सूबे के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की दूरदर्शी नीतियों और उसके क्रियान्वयन को जाता है। साल 2005 से लेकर अब तक सरकार ने महिलाओं के प्रति किए अपने वादे के प्रति कटिबद्धता दिखाई है। महिलाओं को शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य और राजनीतिक भागीदारी के क्षेत्र में मजबूत बनाने के इनके एजेंडे को भले ही शुरुआती दौर में थोड़ी आलोचनाएं झेलनी पड़ी हो, लेकिन धीरे ही सही अब वादे फलित हो रही है। यदि गहराई से इसकी पड़ताल करें तो सरकार की मौजूदा योजनाएं न केवल महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता सुनिश्चित कर रही है, बल्कि सामाजिक न्याय और लिंग समानता को भी बढ़ावा देती दिखती है। आधी आबादी की सलाहियत और हित को ध्यान में रखते हुए 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना' जैसी पहल इस दिशा में एक नया अध्याय जोड़ रही हैं।

महिलाओं की प्रगति और विकास के लिहाज से इन योजनाओं की सिरे से पड़ताल भी जरूरी है। खासतौर से शिक्षा के क्षेत्र में इन योजनाओं से क्रांतिकारी बदलाव लाया है। 'मुख्यमंत्री बालिका साइकिल योजना' को एक ज्वलंत उदाहरण के तौर पर लिया जा सकता है। इस योजना की शुरुआत साल 2006 में तब हुई, जब सूबे में लड़कियों की स्कूल ड्रॉपआउट दर बहुत अधिक थी। योजना के तहत, कक्षा 9 में प्रवेश करने वाली हर लड़की को मुफ्त साइकिल प्रदान की गई, ताकि वे दूर-दराज के स्कूलों तक आसानी से पहुंच सकें। इसका परिणाम यह हुआ कि लड़कियों की नामांकन दर में 30 फीसद से अधिक की वृद्धि हुई। आज, लाखों लड़कियां इस योजना से लाभान्वित हो रही हैं।

इसी क्रम में, 'मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना' 2018 में शुरू की गई, जो लड़कियों को जन्म से स्नातक स्तर तक वित्तीय सहायता प्रदान करती है। योजना के अंतर्गत, जन्म पर दो हजार रु पये कक्षा एक से बारह तक विभिन्न राशियां, और स्नातक पर पच्चीस हजार रुपये दिए जाते हैं। इस योजना से अब तक करोड़ों रुपये वितरित हो चुके हैं, जिससे लड़कियों की शिक्षा दर में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। सरकार ने महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता पर भी विशेष ध्यान दिया है। 'जीविका' (बिहार ग्रामीण आजीविका परियोजना) इसे साल 2007 में विश्व बैंक की सहायता से शुरू किया गया था जो महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से सशक्त बनाती है। इसका उद्देश्य गरीब ग्रामीण महिलाओं को वित्तीय सहायता, कौशल विकास और बाजार पहुंच प्रदान करना है।

योजना के अंतर्गत, महिलाओं को बैंक से लिंक किया जाता है, जहां वे बचत खाते खोलती हैं और सूक्ष्म ऋण प्राप्त करती हैं। आज, सवा आठ लाख से अधिक एसएचजी समूह बने हैं, जो 88 लाख परिवारों को कवर करते हैं। इन समूहों ने महिलाओं को कृषि, पशुपालन, हस्तशिल्प और छोटे उद्योगों में संलग्न किया है। जीविका दीदियां अब बैंकिंग कॉरेस्पॉन्डेंट के रूप में काम करती हैं और 'दीदी की रसोई' जैसी पहल से सरकारी संस्थानों में भोजन उपलब्ध कराती हैं। इस योजना का प्रभाव इतना गहरा है कि गुजरात और कर्नाटक जैसे राज्य इसे अपना रहे हैं।

जीविका ने महिलाओं की आय में पचास प्रतिशत तक वृद्धि की है और उन्हें निर्णय लेने की क्षमता प्रदान की है। अभी हाल ही में शुरू की गई 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना' महिलाओं के लिए एक नई उम्मीद की किरण है। इस योजना का उद्देश्य महिलाओं को स्वरोजगार शुरू करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना है। योजना के तहत, हर परिवार से एक महिला को प्रारंभिक किस्त के रूप में दस हजार रुपये दिए जाते हैं, जिससे वे कोई छोटा व्यवसाय या रोजगार शुरू कर सकें। छह महीने बाद, सफल प्रदर्शन पर दो लाख तक की अतिरिक्त सहायता मिल सकती है। यह योजना विशेष रूप से ग्रामीण और शहरी महिलाओं को लक्षित करती है, जिनकी आय सीमा निर्धारित है।

विशेषज्ञों का मानना है कि इससे महिलाओं का आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण होगा। इसी दिशा में और भी कई ऐतिहासिक कदम उठाए गए हैं जिसने महिलाओं को विकास के लिहाज से मजबूती प्रदान की है। साल 2006 में पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं के लिए पचास प्रतिशत आरक्षण लागू किया गया, जिससे ग्रामीण स्तर पर महिलाओं की भागीदारी बढ़ी। इसी तरह, 2007 में नगर निकायों में भी पचास प्रतिशत आरक्षण दिया गया। साल 2016 में, सरकारी नौकरियों में पैंतीस प्रतिशत आरक्षण महिलाओं के लिए सुनिश्चित किया गया, जो पुलिस से लेकर प्रशासनिक पदों तक लागू है।

इसके अलावा, राज्य न्यायिक सेवाओं में पचास प्रतिशत आरक्षण की घोषणा की गई, जिसमें अत्यंत पिछड़े वगरे के लिए अतिरिक्त कोटा है। इन नीतियों से महिलाओं की राजनीतिक और प्रशासनिक भूमिका मजबूत हुई है। 'महिला थाना' योजना के तहत, हर जिले में महिलाओं के लिए विशेष पुलिस स्टेशन स्थापित किए गए हैं, जहां महिला पुलिसकर्मी तैनात हैं। पैंतीस प्रतिशत पुलिस भर्ती में महिलाओं का आरक्षण सुनिश्चित किया गया, और 'स्वाभिमान बटालियन' जैसी इकाइयां गठित की गई। इन योजनाओं का समग्र प्रभाव बिहार की महिलाओं की स्थिति में सकारात्मक बदलाव लाया है। निश्चित ही महिलाओं के हित में उठाए गए क्रांतिकारी कदम इस बात की तस्दीक करते हैं कि मौजूदा राज्य सरकार महिलाओं के विकास को लेकर उदार रवैया अपना रही है। एक कल्याणकारी राज्य की भूमिका में निश्चित ही बिहार भविष्य में एक उदारवादी सूबा साबित होगा, इसकी अपेक्षा है।

तेजी से पिघल रहे ग्लेशियर से हिमालय पर बढ़ रही हैं झीलें, क्या हम तबाही के करीब पहुंच रहे हैं?

हिमनदों का तेजी से पिघलना जलवायु परिवर्तन और इसके परिणामस्वरूप आने वाली प्राकृतिक आपदाओं का संकेत है। इससे विनाशकारी बाढ़, जल संकट, समुद्र के स्तर में वृद्धि और पारिस्थितिकी तंत्र में असंतुलन जैसे संकट की स्थिति और गंभीर हो सकती है। यह भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय है। हिमनदों के पिघलने से पहाड़ों पर नई झीलें बन रही हैं और पहले से बनीं झीलों का दायरा भी बढ़ रहा है, जो कभी भी आसपास के इलाकों में भयंकर तबाही मचा सकती हैं।

केंद्रीय जल आयोग की हालिया रपट में कहा गया है कि भारत के हिमालयी क्षेत्र में 432 हिमनद झीलों का आकार चिंताजनक रूप से बढ़ रहा है। इस वर्ष जून के दौरान इन झीलों के जल क्षेत्र में वृद्धि देखी गई है। सवाल यह है कि ये झीलें बढ़ते पानी का दबाव आखिर कब तक झेल पाएंगी? ऐसे में इस संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता कि भविष्य में जल का यह अथाह भंडार बड़ी आपदाओं का कारण बन सकता है। इसलिए जरूरी है कि इन हिमनद झीलों का गहन अध्ययन किया जाए और इनकी नियमित रूप से निगरानी की जाए।

केंद्रीय जल आयोग की रपट के मुताबिक, लद्दाख, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश के हिमालयी क्षेत्र में हिमनद तेजी से पिघल रहे हैं और वहां बनी झीलों का आकार लगातार बढ़ रहा है। भारत में हिमनद झीलों का कुल क्षेत्रफल वर्ष 2011 में 1,917 हेक्टेयर था, जो वर्ष 2025 में बढ़ कर 2,508 हेक्टेयर हो गया। यानी इन झीलों के क्षेत्रफल में 30.83 फीसद की वृद्धि हुई है, जो आसपास की आबादी के लिए कभी भी प्रलयकारी साबित हो सकती है।

अरुणाचल प्रदेश में सबसे अधिक 197 विस्तारित हिमनद झीलें हैं

अरुणाचल प्रदेश में सबसे अधिक 197 विस्तारित हिमनद झीलें हैं। इसके बाद लद्दाख में 120, जम्मू-कश्मीर में 57, सिक्किम में 47, हिमाचल प्रदेश में छह और उत्तराखंड में पांच हिमनद झीलों का क्षेत्रफल बढ़ा है। देहरादून स्थित वाडिया हिमालय भू-विज्ञान संस्थान और दून विश्वविद्यालय के एक अध्ययन में भी पाया गया है कि उत्तराखंड में हिमनदों के पिघलने से बन रही झीलों में मिट्टी, मलबा और पत्थर भी जमा हो रहे हैं। प्रदेश में पिछले दस वर्षों में हिमनद झीलों की संख्या 19.2 फीसद तक बढ़ी है। इससे साफहै कि खतरा लगातार बढ़ रहा है।

वैज्ञानिक अध्ययनों से यह बात साफ हो चुकी है कि बढ़ता वैश्विक ताप और जलवायु परिवर्तन हिमनदों के पिघलने का मुख्य कारण है। इसका नतीजा न केवल विनाशकारी बाढ़ के रूप में देखने को मिल सकता है, बल्कि गंभीर जलसंकट जैसी स्थितियां भी पैदा हो सकती हैं। ऐसे में जरूरी है कि ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में कमी लाकर और नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देकर सतत विकास के माडल पर ध्यान केंद्रित किया जाए। सरकार, समाज, विज्ञान और जनमानस को मिल कर इस चुनौती से निपटने के उपायों पर काम करना होगा।

जिन पर्वतीय इलाकों में हिमनद झीलों का विस्तार हो रहा है, वहां निचले इलाकों में रह रहे समुदायों के लिए वास्तविक समय पर आधारित निगरानी प्रणाली और उपग्रह-आधारित सतर्कता एवं पूर्व-चेतावनी तंत्र स्थापित किया जाना चाहिए। साथ ही पहाड़ों पर ऐसी गतिविधियों को भी सीमित करने की अत्यंत जरूरत है, जिनसे पर्यावरण को नुकसान हो रहा है, जो भविष्य में किसी बड़ी त्रासदी का कारण बन सकता है।

डॉनल्ड ट्रंप का अमेरिका कहीं विश्व में अलग थलग न पड़ जाए

अजय दीक्षित

आज चाइना के 70वे विक्ट्री डे परेड के मौक पर बीजिंग से एक संदेश निकला है कि विश्व में अब अमेरिका की एक तरह से दादागिरी नहीं चलेगी। इस मौके पर रूस के राष्ट्रपति वालीडमार पुतिन, नॉर्थ कोरिया के राष्ट्रपति किंग जोंग , चाइना के राष्ट्रपति सी जिंग पिंग, फिनलैंड और तमाम यूरोपीय देशों के 26 शासनाध्यक्ष मौजूद थे।इस दौरान चाइना ने अपनी सैन्य ताकत का भी प्रदर्शन किया।

चाइना ने विक्ट्री डे के ठीक दो दिन पहले शंघाई सहयोग संगठन की बैठक भी कूटनीतिक स्तर पर आयोजित की थी जिससे भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मौजूद रहे थे। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप,को बुलाया नहीं गया था। दूसरी ओर डॉनल्ड ट्रंप ने आज कहा है कि बीजिंग में पुतिन,सी जिंग पिंग, और किंग जोंग अमेरिका के खिलाफ साजिश रच रहे हैं।एक ओर महत्वपूर्ण बयान फ्रांस के राष्ट्रपति ने पेरिस से दिया कि भारत को टैरिफ के नाम पर प्रताड़ित करना अमेरिका और पश्चिमी देशों के लिए ठीक नहीं है। इससे नाटो देशों की भावना कमजोर होगी।

ऐसा लगता है कि चाइना के राष्ट्रपति सी जिंग पिंग इस समय का इंतजार कर रहे थे कि कब भारत अमेरिका से अलग रास्ते पर चल पड़े। दरअसल इस समय रूस यूक्रेन युद्ध को लेकर पूरी दुनिया दो फाड़ हो गई है।1990 में सोवियत संघ के विघटन के बाद पहला मौका है जब अमेरिका जो चाहता वह हो नहीं पाया है। रूस ने युद्ध बंद करने से मना कर दिया और अब वह पूरे यूक्रेन पर कब्जा करने की जुगाड में है।

रूस पर दबाव बनाने के लिए अमेरिका ने इस लिए भारत पर पच्चीस फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगाया कि भारत रूस से सस्ती दरों पर काफी क्रूड ऑयल खरीद रहा है और रूस की अर्थ व्यवस्था को मजबूत करने का काम कर रहा है जबकि चीन भी ऐसा ही कर रहा है।

दूसरी ओर अमेरिका चाहता है कि भारत पुतिन से रक्षा समझौता ब उपकरण हेलीकॉप्टर मिसाइल ड्रोन राइफल फाइटर जेट्स, कम मात्र में खरीदे बल्कि अमेरिका से डील करे । यूएस प्रेसिडेंट डॉनल्ड ट्रंप के कारनामे के चलते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका दौरा भी रद्द कर दिया है और डोनॉल्ड ट्रंप भी भारत नहीं आ रहे हैं। चाइना अब उस स्थिति में आ गया है कि वह विश्व लीडर बन सके।उसका वित्तीय विकास बहुत ही अच्छा है। दूसरे पायदान की अर्थव्यवस्था है ।अब वह भी गोलबंदी में लगा है।

भारत ही उसकी कमजोर कड़ी थी क्योंकि भारत भी रिकॉर्ड 7 फीसदी जीडीपी ग्रोथ रेट से बढ़ रहा है।वह भी विश्व की चौथी सबसे बड़ी आर्थिक व्यवस्था है।हो सकता एक दशक में तीसरे स्थान पर आ जाएगा। ट्रंप ने चाइना को यह अवसर दिया है कि वह भारत के साथ काम करे । इस समय यूरोपीय देशों में फ्रांस जर्मनी इटली ब्राजील ऑस्ट्रेलिया साउथ अफ्रीका न्यूजीलैंड इंग्लैंड, अमेरिका की नीतियों से सन्तुष्ट नहीं है क्योंकि युक्रेन युद्ध में अमेरिका की भूमिका को रूस तब्बजो नहीं दे रहा है।

सिगरेट-गुटखा महंगे, दाल-घी सस्ते; सरकार के नये जीएसटी फॉर्मूले में नशेबाजों को झटका

पिछले कई वर्षों से माल एवं सेवा कर यानी जीएसटी प्रणाली और इसकी दरों को लेकर सवाल उठ रहे थे, लेकिन इस मसले पर सरकार के भीतर कोई खास उत्साह नहीं दिख रहा था। नतीजतन, ऐसी बहुत सारी वस्तुओं पर भी कर के रूप में लोगों को नाहक ही ज्यादा रकम चुकानी पड़ रही थी, जिन्हें अनिवार्य आवश्यकताओं के रूप में जाना जाता है। अब आखिरकार सरकार ने जीएसटी की दरों में बड़े बदलाव की घोषणा की है और इसे आम जनता के लिए भारी राहत के तौर पर पेश किया जा रहा है।

हालांकि कई वस्तुओं और सेवाओं पर अब तक लागू कर की दरों में जिस तरह कमी की गई है, उससे अर्थव्यवस्था को भी गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। इसके तर्कसंगत होने को लेकर जिस तरह के सवाल उठते रहे हैं, उसमें यह निश्चित रूप से एक बड़ा बदलाव है, लेकिन विपक्षी दलों ने इसे बहुत देर से उठाया गया कदम बताया है।

अब सिर्फ पांच और अठारह फीसद की दर लागू

गौरतलब है कि बुधवार को जीएसटी परिषद की बैठक में जिन नई दरों को मंजूरी दी गई, उसके तहत बारह फीसद और अट्ठाईस फीसद के स्तर को खत्म कर दिया गया है और अब सिर्फ पांच और अठारह फीसद की दर लागू रहेगी। मगर कुछ खास वस्तुओं पर जीएसटी को चालीस फीसद तक बढ़ा दिया गया है। इसी महीने की बाईस तारीख से लागू होने वाले करों के नए ढांचे में जो बदलाव किए गए हैं, उसके तहत लोगों के लिए आम उपयोग में आने वाली वस्तुओं और सामान्य सेवाओं के मामले में काफी राहत दी गई है।

मसलन, खाद्य और डेयरी उत्पाद, दवाएं, तेल, घी, सूखे मेवे, चपाती आदि रोजमर्रा के इस्तेमाल में आने वाली कई उपयोगी चीजों को पांच फीसद के कर-ढांचे में डाला गया है। जबकि जीवन-बीमा सहित कुछ जीवनरक्षक दवाओं पर जीएसटी शून्य कर दी गई है। वहीं, वातानुकूलन यंत्र, टीवी, प्रोजेक्टर सहित कई इलेक्ट्रोनिक चीजों को अठारह फीसद के स्तर में लाया गया है। इससे इतर, बड़े आकार वाली महंगी कारों के साथ-साथ पान मसाला, सिगरेट, गुटखा और कैफीनयुक्त पेय जैसी कुछ चीजों पर अब चालीस फीसद जीएसटी तय की गई है।

जाहिर है, नए ढांचे का मकसद आबादी के एक बड़े हिस्से के खर्च और उपभोग को राहत के दायरे में लाकर अर्थव्यवस्था को रफ्तार देना है। यह एक आम हकीकत है कि अगर कोई वस्तु लोगों की आय के मुताबिक क्रयशक्ति की सीमा में होती है, तभी वे उसे खरीदने या उसके उपयोग को लेकर सहज होते हैं। कर की दरों में कमी के बाद वस्तुओं या सेवाओं की कीमतों में जो अंतर आएगा, आम इस्तेमाल में आने वाली चीजों की महंगाई में गिरावट आएगी, उससे बड़ी संख्या में लोग उसके उपभोग के दायरे में आ जाएंगे।

बाजार में मांग बढ़ने से उत्पादन में बढ़ोतरी होगी और इस तरह आर्थिक मोर्चे पर अमेरिकी शुल्कों से जो चुनौती पैदा हुई है, उसका सामना करने की दिशा में विकल्प भी तैयार होंगे। यों करीब आठ वर्ष पहले जब जीएसटी को लागू किया गया था, तभी से समय-समय पर अनेक उत्पादों पर कर की दरों में कुछ बदलाव किए गए, लेकिन कई अन्य उत्पादों पर कटौती की मांग होती रही। अब जीएसटी में बदलाव की घोषणा तो हो गई है, लेकिन राज्यों की ओर से जिस तरह राजस्व क्षतिपूर्ति के लिए समय देने की मांग उठी है, उसके मद्देनजर यह देखने की बात होगी कि सरकार इस संबंध में कौन-सा रास्ता निकालती है!

ITR फाईल बनवाएं मात्र 500/-
GST रजिस्ट्रेशन | TDS रिफंड
CMA DATA | BALANCE SHEET
MSME रजिस्ट्रेशन | फूड लाइसेंस
प्रोजेक्ट रिपोर्ट | TAX AUDIT
हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं
(व्हाट्सएप्प पर भी बनवाएं)
संपर्क - शेखर गुप्ता 9300755544, 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

देवांगन जन कल्याण समिति की महिलाओं ने हर्षोल्लास से मनाया तीज मिलन समारोह

भिलाई। देवांगन जन कल्याण समिति भिलाई के तत्वावधान में परमेश्वरी भवन प्रगति नगर रिसाली में महिलाओं के लिए तीज मिलन का रंगारंग आयोजन सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर आयोजित तीज क्वीन स्पर्धा में विनीता दिनेश देवांगन को तीज क्वीन 2025 का खिताब दिया गया। विनीता सुनील देवांगन द्वितीय एवं तनुजा देवांगन तृतीय स्थान पर रही। समारोह के आरंभ में संयोजिका सुमन देवांगन ने महिलाओं को तीज पर्व की बधाई देते हुए कहा कि तीज मिलन समारोह न केवल उमंग और उल्लास का पर्व है बल्कि यह हमारे सांस्कृतिक मूल्यों, सामाजिक सौहार्द्र और महिला शक्ति का प्रतीक है। सामाजिक तीज मिलन समारोह के आयोजन से आपस में प्रेम एवं सद्भावना बढ़ती है। साथ ही महिलाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता है। तीज मिलन में छत्तीसगढ़ी नृत्य पानवाला बाबू के साथ राजस्थानी घूमर नृत्य ने समां बांधा। मीनाक्षी देवांगन के संयोजन में 11 महिलाओं द्वारा 11 प्रदेश के नृत्यों को भी आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया गया, जिसने खूब वाहवाही बटोरी। लक्ष्मी देवांगन, कामना देवांगन, तनूजा देवांगन ने आकर्षक राजस्थानी घूमर नृत्य प्रस्तुत किया। एकल नृत्य में डॉ. लता देवांगन, चंचल देवांगन, प्रतिभा देवांगन के नृत्यों को विशेष सराहना मिली। मिलेट से बने व्यंजन प्रतियोगिता में विनीता सुनील देवांगन प्रथम, मीनाक्षी देवांगन द्वितीय एवं ममता देवांगन तृतीय, दीप्ति देवांगन को विशेष पुरस्कार तथा दीया सजाओ प्रतियोगिता में प्रतिभा देवांगन प्रथम, कामना देवांगन द्वितीय एवं गौतमी देवांगन तृतीय स्थान पर रही।

सेवानिवृत्त लोग बने स्वच्छता और हरियाली के प्रहरी, उद्यानों, मंदिर परिसरों की सफाई करते हैं

भिलाई। हरा-भरा, स्वच्छ धरा संस्था की टीम रविवार को रिसाली सेक्टर ब्लॉक 31/2 के सामने स्थित उद्यान पहुंची। सुबह-सुबह ही वृद्ध, लेकिन जोश से भरे हाथों ने झाड़ू, खुरपी और थैला उठाकर सफाई शुरू की। कचरे, सूखे पत्तों और प्लास्टिक की थैलियों से भरे उद्यान को उन्होंने कुछ ही घंटों में स्वच्छ और आकर्षक बना दिया। बच्चों से लेकर बड़ों तक हर कोई यह देखकर चकित था कि उम्र की लकीरों वाले ये चेहरे कितने जोश और लगन से काम कर रहे हैं। पसीने से भीगे हुए, लेकिन संतोष से दमकते चेहरे साफ बता रहे थे कि उनके लिए समाज सेवा ही सच्ची संतुष्टि है। रविवार का अवकाश भी उनके लिए आराम का दिन नहीं, बल्कि समाज और पर्यावरण के नाम श्रमदान का अवसर होता है। संस्था का काम केवल सफाई तक सीमित नहीं है। ये सदस्य उद्यानों और सार्वजनिक स्थलों में फलदार, छायादार और फूलदार पेड़ लगाकर हरियाली का संदेश भी दे रहे हैं। कल्पतरु जैसे औषधीय पौधों को रोपित कर वे न केवल पर्यावरण की रक्षा कर रहे हैं, जूठे दोना-पत्तल और प्लास्टिक कचरे को उठाकर उसका उचित निपटान करना भी उनकी प्राथमिकता है।

भिलाई में एमआईसी का बड़ा निर्णयः बकाया टैक्स एकमुश्त जमा करने पर मिलेगी 10 प्रतिशत छूट

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई में एमआईसी ने टैक्स पेयर को बड़ी राहत देने का निर्णय लिया है। संपत्तिकर व राजस्वकरों के बकाया राशि पर एकमुश्त पटाने पर 10 प्रतिशत छूट देने का निर्णय लिया गया है। महापौर नीरज पाल की अध्यक्षता एवं उपायुक्त सह सचिव नरेन्द्र बंजारे की उपस्थिति में महापौर परिषद की हुई बैठक में प्रमुख रूप से 20 एजेण्डा विचारार्थ प्रस्तुत किया गया, जिसमें कर का मुद्दा अहम था।

महापौर परिषद् की बैठक के दौरान बताया गया कि शहर के भवन- भूमि स्वामियों द्वारा विगत वर्षों का संपत्तिकर एवं अन्य राजस्व करों का भुगतान निगम द्वारा निर्धारित समयावधि में नहीं किया जा रहा है। जिससे बकाया संपत्तिकर, शिक्षा उपकर, समेकितकर की वसूली नहीं हो पा रही है। इस स्थिति में राजस्व करों की वसूली में वृद्धि किये जाने के लिए भवन-भूमि स्वामियों द्वारा बकाया राशि का भुगतान एकमुश्त 30 नवम्बर 2025 तक किया जाता है तो उस स्थिति में केवल सम्पूर्ण बकाया संपत्तिकर की राशि पर 10 प्रतिशत की छूट बिना अधिभार एवं शास्ति के दिया जाना प्रस्तावित है। उक्त छूट राज्य शासन की स्वीकृति पश्चात दी जा सकेगी के संबंध में महापौर परिषद से मंजूदी प्रदान की गई है।

शहर की 8 सड़कों पर लगेंगे यूनिपोल

एसीसी रोड चौक से जामुल बोगदा, एसीसी चौक से खुर्सीपार फ्लाई ओवर, सुपेला घड़ी चौक से गदा चौक, अवंती बाई चौक से आईआईटी भिलाई सहित कुल 8 रोड का चयन यूनिपोल स्थापना हेतु किया गया है। 5 वर्ष की अवधि के लिए विज्ञापन के लिए स्वयं के व्यय से यूनिपोल स्थापना सहित संधारण कार्य के लिए परिषद से स्वीकृति मिली है। निगम क्षेत्र में होने वाले अतिक्रमण, अवैध निर्माण, निगम के बकाया कर वसूली, प्रतिबंधित प्लास्टिक पर प्रतिबंध सहित सुरक्षा दृष्टिकोण से सेना के सेवानिवृत अधिकारी एवं पैरामिलिट्री फोर्स के 20 जवान की उड़न दस्ता टीम गठित किये जाने के संबंध परिषद से स्वीकृति प्रदान की गई है।

आकाशगंगा में कवर्ड बरामदे का होगा आबंटन

आकाश गंगा व्यवसायिक परिसर की आबंटित दुकानदारों द्वारा बरामदा कवर्ड कर व्यवसाय किया जा रहा है। दुकानों के सामने कव्हर्ड बरामदा को आबंटन की कार्रवाई कलेक्टर गाइडलाइन अनुसार की जाने की स्वीकृति मिली है। आंगन बाड़ी कार्यकर्ता व सहायिका नियुक्ति अंतर्गत अंतिम योग्यता सूची प्रस्ताव मेंयर इंन कॉसिल में स्वीकृत की गई। प्रियदर्शिनी परिसर पश्चिम में स्वीमिंग पुल निर्माण कार्य एवं नेहरू नगर अंडर 20 से भिलाई नगर रेलवे स्टेशन तक रेलवे लाइन के समांतर रोड निर्माण एवं विद्युतीकरण कार्य की निविदा को वहां पर परिषद से स्वीकृति प्रदान की गई है ।

77 एमएलडी जलशोधन संयंत्र में लगेगा सोलर प्लांट

नगर पालिक निगम क्षेत्र में चंद्रा मौर्या अंडरब्रिज सोलर प्लांट स्थापना कार्य को परिवर्तन कर 77 एमएलडी जलशोधन संयंत्र में ऑनग्रिड सोलर प्लांट स्थापना के लिए महापौर परिषद से स्वीकृति मिली। महापौर परिषद की बैठक महापौर परिषद के सदस्य सीजू एन्थोनी, लक्ष्मीपति राजू, संदीप निरंकारी, लालचंद वर्मा, साकेत चंद्राकर, केशव चौबे, एकांश बंछोर, आदित्य सिंह, चंद्रशेखर गंवई, नेहा साहू, मन्नान मालती ठाकुर सहित , जोन आयुक्त, कार्यपालन अभियंता, लेखाधिकारी, सहायक अभियंता, स्वास्थ्य अधिकारी, राजस्व अधिकारी, उपअभियंता, एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

बीएसपी की महिलाओं के स्वास्थ्य हेतु 'मिशन लक्ष्मी' एक पहल बन रही मिसाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। जेएलएनएचआरसी (जवाहर लाल नेहरू अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र) द्वारा बीएसपी सीएसआर के सहयोग से 'मिशन लक्ष्मी' नामक स्वास्थ्य जागरूकता अभियान निरंतर संचालित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य 12 वर्ष और उससे अधिक आयु वर्ग की महिलाओं को स्वास्थ्य जांच एवं जागरूकता से जोड़ना है।

मिशन लक्ष्मी के अंतर्गत हीमोग्लोबिन, रक्त शर्करा, पैप स्मीयर जैसी बुनियादी जांचों के साथ-साथ स्वास्थ्य संबंधी जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। बीएसपी के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं विभाग व सीएसआर के संयुक्त तत्वाधान में संचालित यह अभियान महिलाओं के स्वास्थ्य की रक्षा और जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

08 अप्रैल 2024 को 'मिशन लक्ष्मी' का शुभारम्भ, मुख्य अतिथि कार्यपालक निदेशक (कार्मिक एवं प्रशासन) श्री पवन कुमार द्वारा प्रतीक चिन्ह (लोगो) का अनावरण कर किया गया था। 'मिशन लक्ष्मी' योजना, जेएलएन अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र तथा निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग के संयुक्त तत्वाधान में, महिलाओं के व्यापक स्वास्थ्य से सम्बन्धित योजना है। इस परियोजना के अंतर्गत प्रथम शिविर का आयोजन 1 मई 2024 को बीआईकेसी (भिलाई इस्पात कल्याण चिकित्सालय), सेक्टर-6 में किया गया व अब तक 16 शिविरों का आयोजन किया जा चुका है, जिसमें 1165 लाभार्थियों का पंजीकरण एवं परीक्षण किया गया है। इन शिविरों से आसपास की वंचित आबादी विशेष रूप से लाभान्वित हो रही है।

भिलाई इस्पात संयंत्र, महिला कर्मचारियों के कल्याणार्थ समय-समय पर विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी देखभाल कार्यक्रमों एवं जागरूकता कार्यशालाओं का आयोजन करता है। 'मिशन लक्ष्मी' ऐसे ही पहलों में से एक है। महिलाएं सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ रही है, जिससे घर, परिवार एवं कामकाज में व्यवस्तता के कारण वह स्वयं के स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पाती हैं। 'मिशन लक्ष्मी' महिलाओं के व्यापक स्वास्थ्य की देखभाल पर केन्द्रित है। 'मिशन लक्ष्मी' के तहत बालिकाओं, युवतियों एवं महिलाओं का निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण, स्वास्थ्य संबंधित जानकारी, आयरन, फोलिक एसिड व एलबेंडाजॉल टेबलेट का वितरण तथा रक्त में हीमोग्लोबिन की मात्रा आदि की जाँच शामिल है। इसी कड़ी में, दिनांक 09 सितम्बर 2025 को मानव संसाधन विभाग में संयंत्र की महिला सफाई कर्मियों हेतु स्वास्थ्य जांच एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस विशेष पहल का उद्देश्य महिला कर्मियों को अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग करना और नियमित जांच को उनकी दिनचर्या का हिस्सा बनाना है।

ब्रह्मकुमारीज ने कोचिंग सेंटरों के शिक्षकों का सम्मान किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विवि हाउसिंग बोर्ड में शिक्षक दिवस पर कोचिंग सेंटरों के शिक्षकों का सम्मान किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में राजेश चौबे, रीना सिंह और भूतपूर्व प्राचार्य बड़गा बहन उपस्थित रहे। बीके वर्षा बहन ने कहा कि आप सभी कोचिंग संचालक भी एक तरह से एक मिनी स्कूल ही चलाते हैं, क्योंकि बच्चा स्कूल से छुट्टी के बाद में घर और घर के बाद में आपके ही पास में पढ़ाई के लिए आता है।

सेक्टर-6 आत्मानंद स्कूल में 40 शिक्षक सम्मानित हुए

भिलाई। स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी विद्यालय सेक्टर-6 में 40 शिक्षकों का सम्मान किया गया है। इस दौरान समिति के अध्यक्ष रजनीकांत पांडे ने कहा कि एक शिक्षक शिक्षा जगत में मार्गदर्शक से कहीं बढ़कर होता है। बच्चे को पहला अक्षर सिखाने से लेकर जीवन के महत्वपूर्ण निर्णयों में उसका मार्गदर्शन करने तक, शिक्षक हर कदम पर धैर्य, सहानुभूति और सहयोग के साथ चलते हैं।

प्रमुख रूप से उपस्थित प्रशांत कुमार क्षीरसागर शिक्षा इस वर्ष की थीम अगली आने वाली पीढ़ी के शिक्षार्थी प्रेरित करना जो छात्रों को रचनात्मक आत्मविश्वासी और भविष्य के लिए तैयार बनाने के लिए शिक्षकों की भूमिका को दर्शाती है। इस अवसर पर अमरजीत सिंह, सोनाली माधवन, महेंद्र यादव, कबीर साहू, मुकेश अग्रवाल, रजनीकांत पाण्डेय, अशोक जैन, पंकज सोनी उपस्थित थे।

शिक्षक दिवस पर महापौर अलका बाघमार ने किया शिक्षकों का सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। शिक्षक दिवस के अवसर पर सोमवार को खालसा स्कूल में नगर निगम दुर्ग की महापौर अलका बाघमार विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुईं। इस अवसर पर विद्यालय प्रांगण में शिक्षकों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जिसमें शिक्षकों को स्मृति चिन्ह और शाल भेंट कर सम्मानित किया गया।

महापौर अलका बाघमार ने कहा कि शिक्षक केवल एक पेशा नहीं बल्कि पवित्र दायित्व है। गुरु ही हमारे जीवन के सच्चे मार्गदर्शक होते हैं, जो हमें शिक्षा के साथ-साथ संस्कार, अनुशासन और जीवन जीने की सही दिशा प्रदान करते हैं। उन्होंने सभी शिक्षकों को नमन करते हुए कहा कि उनका

योगदान समाज और राष्ट्र निर्माण की नींव है। महापौर ने आगे कहा कि शिक्षा के साथ संस्कार का मिलन ही किसी विद्यार्थी को पूर्ण व्यक्तित्व प्रदान करता है। शिक्षक छात्रों के चरित्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और जब विद्यार्थी संस्कारवान बनते हैं, तभी समाज और देश उन्नति की ओर अग्रसर होता है।

इस अवसर पर एमआईसी सदस्य शेखर चंद्राकर, रंजीता पाटिल, अरविंदर खुराना सहित विद्यालय के प्राचार्य, पार्षद, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। समारोह के दौरान विद्यार्थियों ने शिक्षकों के सम्मान में सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ भी दीं। कार्यक्रम का समापन शिक्षकों को सम्मानित करने और उनके योगदान को सराहने के साथ हुआ।

संयंत्र के संविदा कर्मियों द्वारा सुरक्षा पर अभिनव नाट्य प्रस्तुति

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बीएसपी के सुरक्षा अभियांत्रिकी विभाग के मार्गदर्शन में दिनांक 6 सितंबर, 2025 को मानव संसाधन विकास भवन में सुरक्षा नाट्य समारोह प्रस्तुतिकरण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम संयंत्र के कार्यपालक निदेशक (संकार्य) राकेश कुमार की अनुशंसा पर तथा मुख्य महाप्रबंधक देवदत्त सतपथी के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना और कार्यस्थल पर सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने के लिए कर्मचारियों को प्रेरित करना था।

इस कार्यक्रम में ठेका श्रमिक साथियों ने आकर्षक नाट्य और कविता गायन प्रस्तुति दी। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधकगण, महाप्रबंधकगण, सयंत्र के विभिन्न विभागों के सुरक्षा अधिकारियों, संविदा श्रमिकों एवं आमंत्रित जनों की

गरिमामय उपस्थिति रही।

संयंत्र के कार्यपालक निदेशक राकेश कुमार ने संविदा कर्मियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि सजगता और सतर्कता से कार्यस्थल पर सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है। यदि कार्यस्थल पर कोई सुरक्षा उल्लंघन या असुरक्षित परिस्थिति दिखाई दे तो इसे विनम्रतापूर्वक मना कर दीजिए, आप पर कोई दबाव नहीं बना सकता हैं। यदि असुरक्षित स्थिति को समय रहते संज्ञान में लाया जाए तो दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है। इस वर्ष हुई दुर्घटनाओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि यदि समय रहते गैलरी सहित अन्य बातों को संज्ञान में लाया जाता तो यह सब घटनाएं रोकी जा सकती थी। उन्होंने कहा कि संयंत्र की प्रथम पंक्ति पर कार्यरत ठेका श्रमिकों के सहयोग, जागरूकता और जिम्मेदारी से ही सुरक्षा पूरी तरह सुनिश्चित होगी।

ई.डी. राकेश कुमार ने संयंत्र में हो रही सड़क दुर्घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि दुर्घटनाओं का एक बड़ा कारण कार्य के दौरान जल्दबाजी करना है। उन्होंने कहा कि दुर्घटना से देर भली -यदि कार्य में देरी हो रही हो तो उसे अपने वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष मान लीजिए, न कि कार्य को हड़बड़ी में कर जोखिम उठाएँ। थोड़ा समय बचाने के लिए की गई जल्दबाजी न केवल दुर्घटना का कारण बनती है, बल्कि संयंत्र और संबंधित व्यक्ति दोनों के लिए गंभीर नुकसान का कारण बन सकती है। श्री राकेश कुमार ने सभी कर्मचारियों से अपील की कि वे कार्यस्थल पर सुरक्षा को प्राथमिकता दें और अपने परिवार की भलाई को सर्वोपरि मानते हुए जिम्मेदारी से कार्य करें।

ठेका श्रमिकों ने इस नाट्य प्रस्तुति कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया। जहां पावर एंड ब्लोइंग स्टेशन की टीम ने ऊंचाई पर कार्य उसमें शामिल खतरों पर प्रस्तुति दी वहीं कोक ओवन की टीम ने कन्वेयर बेल्ट सुरक्षा पर आकर्षक नाटिका का मंचन किया। इसके साथ-साथ मर्चेंट मिल के मुरलीधर और पावर एंड ब्लोइंग स्टेशन के सुलेमान खान ने सुरक्षा गीत प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम की रूपरेखा के अंतर्गत 02 टीमों पी. बी. एस. और कोक ओवन और कोल केमिकल डिपार्टमेंट के संविदा श्रमिकों ने इस आयोजन में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया वहीं मर्चेंट मिल के साथी ने सुरक्षा गीत प्रस्तुत किया। प्रतिभागियों को उनकी प्रस्तुति के लिए महाप्रबंधक प्रभारी (सुरक्षा) एस के अग्रवाल द्वारा सम्मानित किया गया।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

सिंध उत्सव गरबा 2025: भव्य पोस्टर का हुआ अनावरण

रायपुर। छत्तीसगढ़ सिंधी पंचायत के केंद्रीय कार्यालय मे सिंध उत्सव गरबा 2025 के पोस्टर का विमोचन हुआ। यह कार्यक्रम 24-25 सितम्बर 2025 को अंबुजा मॉल मे शाम 7 बजे से किया जायेगा। यह आयोजन छत्तीसगढ़ सिंधी पंचायत के युवा विंग व महिला विंग का आयोजित किया जा रहा है। युवा विंग के प्रदेश अध्यक्ष विकास रूपरेला ने बताया कि यह आयोजन पूर्ण रूप से धार्मिक है। माता की आराधना का पर्व है, सारा देश भक्ति मे डूबा हुआ रहता है। इस आयोजन मे कोई भी फूहड़ गाना नहीं बजेगा। सभी लोग शालीनता वाले वस्त्रो मे रहेंगे और आने वालों को पास के द्वारा प्रवेश दिया जायेगा, जो की पूर्ण रूप से नि:शुल्क है पास पंचायत कार्यालय मे उपलब्ध रहेगी।

इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से मुखी महेश दरयानी, बलराम आहूजा, जीवतराम बजाज, तनेश आहूजा, अजीत मोटवानी, विकास रूपरेला, अनिल लाहौरी, अमर चन्दनानी, मनीष पंजवानी, विनोद संतवाणी व विशाल कुकरेजा आदि उपस्थित रहे।

रिटायर्ड शिक्षक ने रायपुर मेडिकल कॉलेज में किया देहदान

रायपुर। ग्राम भेण्डरी निवासी भूषण लाल साहू (सेवानिवृत्त शिक्षक) एवं वरिष्ठ व्याख्याकार रमायणिक द्वारा मृत्यु से पहले पं. जवाहर लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज रायपुर में स्वैच्छिक देहदान पत्र प्रेषित किया। मृत्यु उपरांत, जिसको भी अपने शरीर को मेडिकल कॉलेज में दान करना होता है, उसे कार्यालय एनाटॉमी विभाग पंडित जवाहर लाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय रायपुर (छ. ग.) में स्वैच्छिक देहदान प्रपत्र की प्रक्रिया पूरी करनी होती है, जिसे भेण्डरी निवासी सेवानिवृत्त शिक्षक भूषण लाल साहू, उम्र 80 वर्ष, जिसकी इच्छा अनुरूप उनके सुपुत्र डॉ. गिरीश साहू के द्वारा आवेदन किया गया।

साथ ही चिकित्सा महाविद्यालय में आवश्यक दस्तावेज और अन्य प्रक्रिया पूरी कर एनाटॉमी विभाग को प्रपत्र सौंप कर प्रतिलिपि प्राप्त की गई। वर्तमान में भूषण लाल साहू की यह इच्छा है कि उनके मृत्यु उपरांत उनके शरीर का उपयोग चिकित्सा महाविद्यालय में पढ़ रहे छात्र-छात्राओं के अध्ययन में हो। भूषण गुरुजी शिक्षाकीय कार्य से निवृत्त होकर सामाजिक और धार्मिक कार्यों में लगे हुए हैं।

सुरेश बने कैट के प्रदेश उपाध्यक्ष

रायपुर। राष्ट्रीय व्यापारिक संगठन कैट के छत्तीसगढ़ प्रदेश इकाई में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अमर पारवानी की अनुशंसा पर प्रतिष्ठित कारोबारी सुरेश खटोर को प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति पर विभिन्न संगठनों व मित्रों ने शुभकामनाएं दी है।

स्वच्छ गणेशोत्सव: महादेवघाट पर हजारों गणेश प्रतिमाओं का हुआ पर्यावरण अनुकूल विसर्जन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्वच्छ गणेशोत्सव अभियान 2025 के अंतर्गत छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के राज्य शहरी विकास अभिकरण के दिशा-निर्देश अनुसार रायपुर नगर पालिक निगम द्वारा महादेवघाट खारून नदी के समीप विसर्जन कुण्ड में इको फ्रेंडली श्रीगणेश उत्सव के अंतर्गत खारून नदी के पास विसर्जन कुण्ड तैयार किया है। जिसमें लगातार तीसरे दिन 8 सितम्बर 2025 को भी सुबह से श्रीगणेश भक्तों का संगम बना रहा और 8 सितम्बर को दोपहर 2 बजे तक श्रीगणेश की 3993 छोटी मूर्तियों और 1431 बड़ी मूर्तियों का विसर्जन श्रीगणेश के भक्तजन श्रद्धा और भक्ति के साथ पूजा-अर्चना करके और विघ्नहर्ता भगवान श्रीगणेश से अगले वर्ष जल्दी आने की विनम्र प्रार्थना करते हुए कर चुके हैं। श्रीगणेश की मूर्तियों का श्रद्धा और भक्ति के साथ विसर्जन कुण्ड में विसर्जन का सिलसिला लगातार तीसरे दिन जारी रहा और इस हेतु महादेवघाट के पास नगर निगम रायपुर का विसर्जन कुण्ड प्रथम पूज्य देव श्रीगणपति के भक्तों का संगम बना हुआ है.

प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व और उप मुख्यमंत्री नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग अरुण साव के मार्गदर्शन में और रायपुर नगर निगम की महापौर मीनल चौबे, सभापति सूर्यकान्त राठौड़, संस्कृति विभाग अध्यक्ष अमर गिदवानी, आयुक्त विश्वदीप के निर्देशन में रायपुर नगर निगम द्वारा रायपुर जिला प्रशासन और रायपुर जिला कलेक्टर डॉक्टर गौरव कुमार सिंह के दिशा-निर्देश पर रायपुर जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, यातायात विभाग, विद्युत पावर कम्पनी, अग्निशमन विभाग, होमगार्ड, स्वास्थ्य विभाग, लोक निर्माण विभाग, पीएचई विभाग संस्कृत कॉलेज के सहयोग से 10 पंडितों, 5 क्रेन वाहनों, 80 गोताखोरों, नावों की प्रशासनिक व्यवस्था देने सहित सभी विभागों, रायपुर नगर निगम की मुख्यालय और जोनों की टीम लगातार मॉनिटरिंग कर 24 घण्टे 8-8 घण्टे की 3 पालियों में 6 सितम्बर 2025 को सुबह 6 बजे से 2 सितम्बर 2025 को सुबह 6 बजे तक के लिए प्रशासनिक ड्यूटी लगाई गई है।

वहीं बूढ़ातालाब, तेलीबाँधा तालाब, कंकाली तालाब सहित लगभग 3 दर्जन मुख्य विभिन्न तालाबों में नगर निगम रायपुर द्वारा श्रीगणेश भक्तों की सुविधा हेतु अस्थायी विसर्जन कुण्ड रखवाये गए, जहां लगातार तीन दिन पहुंचकर बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन पहुंचकर श्रीगणेश की छोटी मूर्तियों का श्रद्धापूर्ण विसर्जन किया। बड़ी संख्या में विभिन्न तालाबों में मोहल्लों से बच्चों और महिलाओं ने तालाबों के अस्थाई विसर्जन कुण्ड में श्रीगणेश की छोटी मूर्तियों का विसर्जन कर गणपति बप्पा को नम आँखों से विदाई देकर पूजा, अर्चना, आरती सहित भगवान से अगले वर्ष जल्दी आने की विनम्र प्रार्थना की।

विभिन्न तालाबों में पहुंचकर बड़ी संख्या में श्रीगणेश भक्तों ने श्रद्धापूर्ण विसर्जन इको फ्रेंडली अस्थाई विसर्जन कुण्ड में किया और खारून नदी और तालाबों को सुरक्षित रखने के अभियान में सम्मिलित हुए। नगर निगम स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा महादेवघाट के समीप विसर्जन कुण्ड, विभिन्न तालाबों के अस्थाई विसर्जन कुण्ड, विसर्जन कुण्ड पहुंचमार्गो की विशेष सफाई गैंग लगाकर सफाई करवाकर स्वच्छता कायम करते हुए स्वच्छ गणेशोत्सव अभियान 2025 के अंतर्गत स्वच्छ विसर्जन कुण्ड का सकारात्मक स्वच्छता सन्देश दिया गया।

चंद्रग्रहण में रविशंकर विश्वविद्यालय के छात्रों से डॉ. मिश्र ने किया चर्चा व संवाद

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति के अध्यक्ष डॉ. दिनेश मिश्र चंद्रग्रहण में रविशंकर विश्वविद्यालय के छात्रों से मिल कर उनसे चंद्रग्रहण जैसी खगोलीय घटना पर चर्चा की , टेलीस्कोप, ग्रहण पर आधारित स्वलिखित किताबें वितरित की और छात्रों से संवाद किया। रविशंकर विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग के प्राध्यापक डॉ एन के चक्रधारी से मिलकर वहां छात्रों से मुलाकात की। जहां टेलीस्कोप से ग्रहण देखने की तैयारियां थी साथ ही बरसात मौसम को देखते हुए ग्रहण को स्क्रीन पर भी देखा जा रहा था ।

डॉ. एनके चक्रधारी ने ग्रहण की खगोलीय प्रक्रिया को छात्रों को समझाया डॉ. दिनेश मिश्र ने कहा चंद्रग्रहण एक खगोलीय घटना है। पर प्रारंभ में यह माना जा रहा था कि चंद्रग्रहण राहू-केतू के चंद्रमा को निगलने से होता है, जिससे धीरे-धीरे विभिन्न अंधविश्वास व मान्यताएँ जुड़ती चली गईं, लेकिन बाद में विज्ञान ने यह सिद्ध किया कि चंद्रग्रहण पृथ्वी की छाया के कारण होता है। जब चंद्रमा पृथ्वी की छाया में प्रवेश करता है तब उसका एक किनारा जिस पर छाया पड़ने लगती है काला होना शुरू हो जाता है जिसे स्पर्श कहते हैं। जब पूरा चंद्रमा छाया में आ जाता है तब पूर्णग्रहण हो जाता है।

कुछ लोगों ने इस चंद्र ग्रहण के रंग को लेकर इसे खूनी चंद्र ग्रहण खा है और इसके दुष्प्रभाव की आशंका जाहिर की है पर यह सब आशंकाएं और भविष्यवाणियां सही नहीं हैं। वास्तव में चंद्र ग्रहण में पूर्णता के दौरान चंद्रमा का लाल रंग पृथ्वी के किनारे के चारों ओर वायुमंडल से होकर गुजरने वाले सूर्य के प्रकाश के कारण होता है।

डॉ दिनेश मिश्र ने कहा चंद्रग्रहण का कोई दुष्प्रभाव नहीं है, इसे लेकर तरह-तरह के भ्रम व अंधविश्वास हैं। लेकिन लोगों को इन अंधविश्वासों में नहीं पडना चाहिए तथा ग्रहण को देखा जा सकता है तथा वैज्ञानिक इसका अध्ययन भी करते हैं। भारत के महान खगोलविद् आर्यभट्ट ने आज से करीब 1500 वर्ष पहले 499 ईस्वी में यह सिद्ध कर दिया था कि चन्द्रग्रहण सिर्फ एक खगोलीय घटना है जो कि चन्द्रमा पर पृथ्वी की छाया पडने से होती है। उन्होंने अपने ग्रंथ आर्यभट्टीय के गोलाध्याय में इस बात का वर्णन किया है। इसके बाद भी चन्द्रग्रहण की प्रक्रिया को लेकर विभिन्न भ्रम एवं अंधविश्वास कायम है। डॉ. मिश्र ने कहा यह एक प्राकृतिक खगोलीय घटना है। सभी नागरिकों को इसे बिना किसी डर या संशय के देखना चाहिए। चंद्रग्रहण देखना पूर्णत: सुरक्षित है।

डॉ. मिश्र ने कहा जब चंद्रग्रहण होने वाला होता है तब विभिन्न भविष्यवाणियाँ सामने आने लगती हैं जिससे आम लोग संशय में पड़ जाते हैं जबकि चंद्रग्रहण में खाने-पीने, बाहर निकलने की बंदिशों का कोई वैज्ञानिक आधार नहीं है। ग्रहण से खाद्य वस्तुएँ अशुद्ध नहीं होती तथा उनका सेवन करना उतना ही सुरक्षित है जितना किसी सामान्य दिन या रात में भोजन करना। इस धारणा का भी कोई वैज्ञानिक आधार नहीं है कि गर्भवती महिला के गर्भ में पल रहे शिशु के लिए चंद्रग्रहण हानिकारक होता है तथा ग्रहण की वजह से स्नान करना कोई जरूरी नहीं है अर्थात् इस प्रकार की आवश्यकता का कोई वैज्ञानिक आधार नहीं है तथा ग्रहण का अलग-अलग व्यक्तियों पर भिन्न प्रभाव पडने की मान्यता भी काल्पनिक है। यह सब बातें केन्द्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा जारी पुस्तिका में भी दर्शायी गयी है।

प्रोजेक्ट अनुभव : रायपुर निगम आयुक्त विश्वदीप ने ली भारतीय अर्थव्यवस्था पर बच्चों की क्लास

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशा एवं कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के मार्गदर्शन में जिले में संचालित प्रोजेक्ट अनुभव के अंतर्गतयोग भवन, फुंडहर में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के लिए विशेष कक्षा आयोजित की गई।

इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त विश्वदीप ने विद्यार्थियों को भारतीय अर्थव्यवस्था विषय पर 2 घण्टे 30 मिनट तक कक्षा ली और विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने अपने प्रशासनिक अनुभवों को साझा करते हुए विद्यार्थियों को परीक्षा की रणनीति, समय प्रबंधन तथा विषय के प्रभावी अध्ययन संबंधी उपयोगी सुझाव दिए। प्रोजेक्ट अनुभव के अंतर्गत जिले में पदस्थ अनुभवी प्रशासनिक अधिकारी प्रतियोगी परीक्षार्थियों को विभिन्न विषयों पर मार्गदर्शन प्रदान कर रहे हैं, जिससे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं को लाभ मिल रहा है।

विधिक माप विज्ञान विभाग का वार्षिक सत्यापन शिविर आज से प्रारंभ

भिलाई। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी नापतोल विभाग का सत्यापन शिविर पावर हाउस भिलाई में आज से प्रारंभ हो रहा है। इस शिविर में इलेक्ट्रॉनिक तौल अवाम अन्य मापतौल उपकरणों की जांच कर सत्यापन का कार्य किया जाएगा। विधिक माप विज्ञान अधिकारी ने बताया कि इस क्षेत्र के लगभग 1500 व्यापारियों को विभाग से नोटिस जारी किया गया है। उक्त शिविर का आयोजन 9 से 12 सितंबर तक है। विधिक मापतौल अधिकारी के पी चौरे ने बताया कि शिविर पश्चात व्यापारिक प्रतिष्ठानों की सघन जांच भी किया जाएगा। नापतौल उपकरणों का जांच एवं सत्यापन न कराने वाले व्यापारियों पर नियमानुसार सख्त कार्यवाही की जाएगी।

समय की अब बचत होगी इसलिए छात्राएं पढ़ाई बेहतर कर सकेंगी-सुनील सोनी

माधवराव सप्रे उच्चतर माध्यमिक शाला के 53 छात्राओं को साइकिल वितरित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन की सरस्वती साइकिल योजना के अंतर्गत अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग की नवमीं क्लास की 53 छात्राओं को माधवराव सप्रे उच्चतर माध्यमिक शाला बूढ़ापारा में साइकिल वितरित की गई मुख्य अतिथि विधायक सुनील सोनी ने कहा कि यह शासन की सोच है कि हर वर्ग के लोग पढ़ें और आगे बढ़ें आज शासन द्वारा साइकिल प्राप्त होने से आप समय पर स्कूल पर पहुंच पाएंगे और अच्छे से पढ़ाई करेंगे कोई 5 किलोमीटर से कोई 10 किलोमीटर से पढ़ाई करने के लिए स्कूल आते है ,चाहे वह पैदल आते हो या किसी अन्य साधन से, लेकिन शासन द्वारा साइकिल वितरित किए जाने से उनके समय की बचत होगी जिससे वह पढ़ाई में अधिक समय दे पाएंगे।

इस अवसर पर शाला विकास समिति के अध्यक्ष हरख मालू ने शासन की योजना से छात्राओं को साइकिल प्रदान करने के लिए आभार जताया ,वहीं माधवराव सप्रे उच्चतर माध्यमिक शाला में शिक्षकों की कमी का ध्यानाकर्षण कराते हुए विधायक एवं जिला शिक्षा अधिकारी से अनुरोध किया कि स्कूल की पढ़ाई के स्तर को ऊंचाइयों तक ले जाने हेतु हमें शिक्षक एवं शिक्षिकाओं की जरूरत है,यदि शीघ्र उपलब्ध हो जाते हैं तो स्कूल की पढ़ाई बेहतर होने से शैक्षणिक परिणाम भी अच्छे मिलेंगे।

इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी हिमांशु भारती, शाला विकास समिति के सदस्य पार्षद मुरली शर्मा, प्राचार्य डॉ अनुपमा शर्मा, महादेव नायक, संतोष सोनी प्रमित नियोगी सभी प्राध्यापकगंण छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। शाला विकास समिति की ओर से विधायक सुनील सोनी एवं जिला शिक्षा अधिकारी हिमांशु भारती को स्मृति ने चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्राध्यापक एल आर यादव ने किया।

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में लोगों ने कराई जांच

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सिंधु काउंसिल ऑफ इंडिया छत्तीसगढ़ इकाई एवं सिंधु डॉ. फोरम के संयुक्त तत्वाधान में 7 सितम्बर को आयोजित नि:शुल्क स्वास्थ शिविर में 1100 से अधिक लोगों ने स्वास्थ जांच कराया। छत्तीसगढ़ के कुरूद से परिवार रायपुर आकर शिविर में भाग लिया और कहा इतनी अच्छी व्यवस्था स्वास्थ शिविर में आज तक नहीं देखी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संत युधिष्ठिर लाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि सिंधी काउंसिल ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में ऐतिहासिक कार्य करके सभी के सामने एक मिसाल पेश किया है। वहीं रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी ने कहा अच्छी स्वास्थ व्यवस्था वह भी नि:शुल्क मिले उसकी जितनी तारीफ की जाए उतनी कम है।

रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू ने कहा स्वास्थ शिविर सर्व समाज के लिए आयोजित किया गया और मेरी ग्रामीण विधानसभा में शिविर लगाया गया है जिसका भरपूर लाभ जनता ने लिया। वहीं रायपुर महापौर मीनल चौबे ने कहा मैं ईश्वर से कामना करती हूं सभी स्वस्थ रहे और खुश रहे। बीजेपी जिला अध्यक्ष रमेश ठाकुर ने कहा मानव सेवा ही माधव सेवा है सभी के चेहरे हस्ते मुस्कुराते रहे। नगर निगम सभापति सूर्यकांत राठौर ने कहा इतनी बड़ी संख्या में लोगों ने लाभ लिया स्वास्थ शिविर में ऐसा पहली बार देखने को मिला। बीजेपी प्रवक्ता अमित चिमनानी ने कहा मैं बधाई देता हूं सिंधी काउंसिल की टीम को जिनके प्रयास से जनकल्याण कार्य संपन्न हुआ । सिंधी काउंसिल के प्रदेश अध्यक्ष ललित जैसिंघ ने कहा 400 से ज्यादा ई सी जी हुए और 950 लोगों ने बल्ड टेस्ट करवाया।

आयोजन में संत युधिष्ठिर लाल, ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू, दक्षिण विधायक सुनील सोनी, महापौर मीनल चौबे, सभापति सूर्यकांत राठौर, सीएसआई डीसी चेयरमैन राजीव अग्रवाल, बीजेपी प्रवक्ता अमित चिमनानी, बीजेपी जिला अध्यक्ष रमेश ठाकुर, चैंबर अध्यक्ष सतीश थौरानी, कैट के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अमर पारवानी, पार्षद अमर गिदवानी, स्वप्निल मिश्रा, कृतिका जैन, निकेश बरडिया अनेक लोग उपस्थित थे।

एक पहल : सेक्रो रायपुर मंडल के तत्वावधान में स्वास्थ्य जांच शिविर का हुआ आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर मंडल में सेक्रो रायपुर मंडल के तत्वावधान में कुलियों, सभी विभागों के संविदा एवं आउटसोर्स कर्मचारी स्टेशन के वेंडर्स, सफाई कर्मियों के लिए शुक्रवार को स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन एक निजी अस्पताल के सहयोग से रेलवे सामुदायिक भवन में किया गया।

स्टेशन के कुलियों, सभी विभागों के संविदा एवं आउटसोर्स कर्मचारी स्टेशन के वेंडर्स, सफाई कर्मियों ने स्वास्थ्य जांच शिविर का लाभ लिया। स्वास्थ्य जांच शिविर में बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई), रक्तचाप (बीपी), रक्त शर्करा परीक्षण,यूरिक एसिड परीक्षण, बोन मिनिरल डेंसिटी (बीएमडी), ईसीजी, फाइब्रोस्कैन के स्वास्थ्य जाँचें की गई। इस स्वास्थ्य शिविर में रायपुर रेल मंडल के स्काउट गाइड्स ने भी अपनी सक्रिय भूमि का निभाई। उम्मीद - एक पहल सेक्रो रायपुर मंडल के तत्वावधान में सहयोगी

कर्मचारी को स्वास्थ्य जांच के लिए जागरूक करने हेतु सेक्रो रायपुर मंडल ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। कलपना करें एक दिन बिना सफाई कर्मी के, बिना सहयोगी कर्मचारी के आइये एक दिन हम अपना इनको देते हैं । इनको स्वस्थ रखने की जिम्मेदारी एवं जागरूकता प्रदान करते हैं । इस शिविर की सराहना करते हुए अध्यक्षा सेक्रो श्रीमती शिखा सिंह ने कहा कि ऐसे आयोजन हमारे सभी रेल सहयोगी कर्मियों के लिए लाभप्रद होते हैं वह काम की व्यस्तता के कारण अपना स्वास्थ्य नजर अंदाज करते हैं वह स्वस्थ रहेंगे तो बेहतरीन रेल सेवा कर सकेंगे। मंडल रेल प्रबंधक दयानंद ने अपने अधीनस्थ अधिकारियों को स्वास्थ्य शिविर में अधिक से अधिक रेल सहयोगी कर्मियों की भागीदारी के लिए प्रशंसा की। भविष्य में रेल सहयोगियों के सर्वांगीण विकास के लिए और विशेष कार्यक्रम आयोजित करने पर जोर दिया। मंडल रेल प्रबंधक दयानंद अध्यक्षा सेक्रो श्रीमती शिखा सिंह, अपर मंडल रेल प्रबंधक बजरंग अग्रवाल, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. केपी काशीपति, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अवधेश कुमार त्रिवेदी व सेक्रो पदाधिकारी एवं रायपुर रेल मंडल के संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131

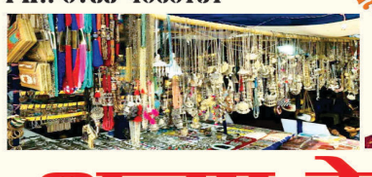

अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह लेह में सलमान खान के साथ 15 दिनों की गलवान युद्ध की शूटिंग में हुई शामिल

बॉलीवुड अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह अपनी आगामी फिल्म बैटल ऑफ गलवान के अगले शेड्यूल के लिए सलमान खान के साथ लेह, लद्दाख पहुँच गई हैं। फिल्म की टीम हाल ही में सच्ची घटनाओं से प्रेरित इस फिल्म के कुछ महत्वपूर्ण हिस्सों की शूटिंग के लिए इस क्षेत्र में पहुँची है। लेह का शेड्यूल लगभग दस दिनों तक चलने की उम्मीद है और इसमें लद्दाख की प्राकृतिक सुंदरता और ऊबड़-खाबड़ परिदृश्यों को कैद किया जाएगा।

लेह में शूटिंग शेड्यूल सूत्रों के अनुसार, यह शेड्यूल फिल्मांकन का एक महत्वपूर्ण चरण है। चित्रांगदा सिंह और सलमान खान से जुड़े महत्वपूर्ण दृश्यों की शूटिंग यहाँ की जाएगी। निर्माताओं का लक्ष्य लद्दाख के अनोखे परिदृश्य का उपयोग कहानी को एक प्रामाणिक पृष्ठभूमि देने के लिए करना है। अपने आकर्षक भूभाग और अनोखे परिवेश के साथ, लेह फिल्म के दृश्यात्मक पैमाने को और भी बढ़ा देता है। कलाकारों और क्रू को एक साथ पहुँचते देखा गया है, और सलमान खान इस बहुप्रतीक्षित शेड्यूल के लिए टीम का नेतृत्व कर रहे हैं।

चित्रांगदा सिंह, जो अपनी बहुमुखी भूमिकाओं और स्क्रीन पर अपनी उपस्थिति के लिए जानी जाती हैं, बैटल ऑफ गलवान में एक महत्वपूर्ण भूमिका में दिखाई देंगी। यह परियोजना उनके फिल्मी करियर में एक महत्वपूर्ण वृद्धि है, क्योंकि वह एक शक्तिशाली कलाकारों की टुकड़ी में शामिल हो रही हैं। लेह में शूटिंग का ध्यान इस वजह से खींचा जा रहा है: टीम से इस शेड्यूल में मुख्य किरदारों के किरदारों को पूरा करने की उम्मीद है। चूँकि यह फिल्म सच्ची घटनाओं से प्रेरित है, इसलिए लद्दाख का प्राकृतिक परिवेश कहानी को वास्तविकता के करीब रखने में मदद करता है। फिल्म निर्माता प्रामाणिकता पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, और लद्दाख के निर्जन परिदृश्य इसे कहानी के लिए एक आदर्श स्थान बनाते हैं।

निर्माण से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि इस शेड्यूल में फिल्म के कुछ सबसे महत्वपूर्ण हिस्से शामिल होंगे। परियोजना के अगले चरण में जाने से पहले यह अंतिम आउटडोर शूटिंग में से एक है। चित्रांगदा सिंह की फिल्म में भूमिका चित्रांगदा सिंह ने गलवान की लड़ाई का हिस्सा बनने को लेकर उत्साह व्यक्त किया है। अभिनेत्री से अपने किरदार में भावनात्मक गहराई और मजबूती लाने की उम्मीद है। पिछले कुछ वर्षों में, उन्होंने ऐसे किरदार चुनने की प्रतिष्ठा बनाई है जो लालित्य और तीव्रता का संतुलन बनाए रखते हैं, और यह फिल्म उनकी फिल्मोग्राफी में एक और आयाम जोड़ती है।

इरोस ने कंगना रनौत व आर माधवन अभिनीत तनु वेड्स मनु-3 को बाधित करते हुए रोक लगा दी

नोटिस के अनुसार, इरोस ने खुद को तनु वेड्स मनु (2011) और तनु वेड्स मनु रिटर्न्स (2015) दोनों के सभी नकारात्मक अधिकारों, बौद्धिक संपदा अधिकारों, कॉपीराइट, अनुकूलन अधिकारों और शोषण अधिकारों का एकमात्र और अनन्य स्वामी घोषित किया है। कंपनी ने इस बात पर जोर दिया है कि ये अधिकार भारत सहित दुनिया भर के सभी क्षेत्रों में, हमेशा के लिए उनके हैं।

कानूनी सूचना में आगे बताया गया है कि इरोस पहले से ही एक और फ्रैंचाइजी किस्त के निर्माण की प्रक्रिया में है। यह उन दावों पर चिंता पैदा करता है कि फ्रैंचाइजी को जारी रखने के लिए अन्य पक्षों द्वारा ऑडिशन लिए जा रहे हैं, जिसे इरोस स्पष्ट रूप से उल्लंघन बताता है। नोटिस में यह भी चेतावनी दी गई है कि इरोस के अलावा अन्य पक्षों के साथ अधिकारों का लेन-देन करने का प्रयास करने वाली कोई भी संस्था उसके कानूनी स्वामित्व का उल्लंघन करेगी, और कंपनी ऐसे अनधिकृत शोषण के खिलाफ उचित कार्रवाई करने का अधिकार सुरक्षित रखती है।

इस घटनाक्रम ने प्रशंसकों को निराश कर दिया है क्योंकि कंगना रनौत और आर. माधवन को फिर से पर्दे पर साथ देखने की संभावना धूमिल होती दिख रही है। दोनों सितारों की केमिस्ट्री इस फ्रैंचाइजी की सबसे बड़ी हाइलाइट्स में से एक थी। आनंद एल. राय द्वारा निर्देशित पहली फिल्म, एक उत्साही युवती तनु (कंगना रनौत) और एक साधारण, एनआरआई डॉक्टर मनु (आर. माधवन) की अपरंपरागत प्रेम कहानी पर आधारित थी।

इसके सीक्वल, तनु वेड्स मनु रिटर्न्स ने कहानी को एक नए मोड़ के साथ आगे बढ़ाया - जिसमें रनौत को तनु और कुसुम के रूप में दोहरी भूमिका में पेश किया गया, साथ ही जिमी शेरगिल, दीपक डोबरियाल और स्वरा भास्कर जैसे कलाकार भी थे, जो फिल्म की सफलता का अभिन्न अंग बन गए। इरोस द्वारा तनु वेड्स मनु बैनर तले एक नई परियोजना पर सक्रिय रूप से काम करने का दावा करने के साथ, इस रस्साकशी से यह सवाल उठता है कि क्या आनंद एल. राय इस फ्रैंचाइजी से जुड़े रहेंगे या अगला अध्याय किसी अलग प्रोडक्शन सेटअप के तहत आकार लेगा।

कृष 4: अभिनेता ऋतिक रोशन के लिए पिता राकेश रोशन ने चली चाल, कब आएगी यह फिल्म

अब बारी है ऋतिक रोशन की अगली फिल्म की। हालांकि इस साल उन्हें 'वॉर 2' से काफी उम्मीदें थीं। यही वजह है कि YRF स्पाई यूनिवर्स ने फिल्म पर 400 करोड़ रुपये खर्च किए। लेकिन फिल्म के लिए न तो हीरो काम आया और न ही विलेन, फिल्म भले ही 14 अगस्त को रिलीज हो गई हो, लेकिन यह अभी भी बजट से कोसों दूर है। इसी बीच ऋतिक रोशन ने अपनी अगली फिल्म की तैयारी भी शुरू कर दी है। वह कृष 4 का निर्देशन कर रहे हैं। वहीं, पिता राकेश रोशन फिल्म से बतौर निर्माता जुड़ रहे हैं। अब उन्होंने फिल्म को लेकर बड़ी जानकारी दी है।

कुछ समय पहले ही फिल्म की घोषणा हुई थी। साथ ही पता चला था कि वह इस बार दोहरी जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। अब एक न्यूज वेबसाइट पर 'कृष 4' को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई है। जिससे पता चला कि फिल्म 2026 में भी रिलीज नहीं होगी। दरअसल ऋतिक के पिता ने बताया है कि शूटिंग अगले साल शुरू की जाएगी। राकेश रोशन अपनी फिल्मों को लेकर जल्दबाजी नहीं करते। समय लेकर प्रोजेक्ट की योजना तैयार की जाती है। जिसके बाद फिल्म को फ्लोर पर लाया गया है। अब क्योंकि इस बार कृष 4 के निर्देशन की कमान उनके बेटे ऋतिक रोशन संभाल रहे हैं, तो उन्होंने बताया कि, स्क्रिप्ट लिखने में ज्यादा समय नहीं लगा। हालाँकि, बजट का दबाव था। लेकिन अब हमें फिल्म के बजट का अंदाजा है कि इसकी लागत कितनी हो सकती है। इसलिए जल्द ही फिल्म का काम शुरू कर दिया जाएगा। हालाँकि, ऋतिक भी अपने पिता की राह पर चलते नजर आ रहे हैं।

इस दौरान राकेश रोशन ने फिल्म की टाइमलाइन के बारे में भी बताया। उनका कहना है कि फिल्म का काम तेजी से चल रहा है। वह अगले साल के मध्य तक फिल्म की शूटिंग शुरू करने वाले हैं। यानी 2026 में ही काम शुरू कर दिया जाएगा। ऐसा इसलिए क्योंकि इस फिल्म का प्री-प्रोडक्शन काफी ज्यादा है। वह फिल्म को फ्लोर पर लाने से पहले पूरी तरह से तैयार होना चाहते हैं। दरअसल, यह फिल्म कृष फ्रैंचाइजी की चौथी किस्त है। 'कोई मिल गया' 2003 में आई थी, वहीं 'कृष' 2006 में और 'कृष 3' 2013 में आई थी। अब कहा जा रहा है कि फिल्म की शूटिंग 2026 के अंत तक जारी रहेगी। वहीं राकेश रोशन ने कहा कि फिल्म को 2027 में रिलीज करने की योजना बनाई जा रही है।

अभिनेत्री नव्या नायर पर मेलबर्न हवाई अड्डे पर 1.14 लाख का लगाया जुर्माना

मलयालम अभिनेत्री नव्या नायर ने हाल ही में मेलबर्न अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लगभग 1,980 ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (लगभग 1.14 लाख रुपये) का जुर्माना लगाए जाने के बाद सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। अभिनेत्री ओणम समारोह के लिए वहाँ जा रही थीं, और अधिकारियों को उनके बैग में चमेली का गजरा मिला। जिन्हें नहीं पता, उन्हें बता दें कि दक्षिण भारत में ओणम समारोह में चमेली के फूल एक अभिन्न अंग हैं, लेकिन ऑस्ट्रेलिया के सख्त जैव सुरक्षा कानून उन्हें प्रवेश की अनुमति नहीं देते हैं। अभिनेत्री के बारे में और जानने के लिए आगे स्क्रॉल करते रहें।

नव्या नायर का बचपन और स्कूली शिक्षा

नव्या नायर का जन्म धन्या वर्मा के रूप में 14 अक्टूबर 1985 को केरल के अलेप्पी जिले के एक गाँव मुथुकुलम में हुआ था। उनके पिता एक दूरसंचार कर्मचारी थे और उनकी माँ एक स्कूल शिक्षिका थीं। नव्या का बचपन शिक्षा और प्रदर्शन कला दोनों में बीता। बेथानी बालिकामाडोम हाई स्कूल और बाद में एमएसएम हायर सेकेंडरी स्कूल की छात्रा के रूप में, उन्होंने शास्त्रीय नृत्य में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए जिला युवा महोत्सवों में प्रतिष्ठित कलाथिलकम का खिताब जीता। बाद में नव्या ने अंग्रेजी में स्नातक की डिग्री हासिल की और एमबीए पूरा किया।

नव्या नायर ने अपना फिल्मी नाम क्यों बदला? सिबी मलयिल के सुझाव पर ही नव्या ने अपना फिल्मी नाम धन्या से बदलकर धन्या रख लिया, क्योंकि उन्हें लगा कि उनका पहला नाम शायद फिल्म जगत में ज़्यादा लोकप्रिय न हो। नव्या नायर का फिल्मी सफर नव्या ने 2001 में दिलीप के साथ इष्टम से सिल्वर स्क्रीन पर अपनी शुरुआत की। 2002 में नंदनम में उन्हें एक महत्वपूर्ण भूमिका मिली, जिसने उन्हें दक्षिण भारतीय फिल्म जगत की सबसे होनहार प्रतिभाओं में से एक के रूप में स्थापित किया और उन्हें कई पुरस्कार भी दिलाए। उन्होंने 2005 में कन्ने मदानगुका, 2005 में सायरा, मजथुल्लिकिलुक्कम, कुंजिकूनन, कल्याणरमन, ग्रामाफोन, जलोलसवम, दृश्य, ओरुथी (2022), और हाल ही में, जानकी जाने (2023) में प्रशंसित भूमिकाओं से प्रभावित करना जारी रखा।

फोड़े-फुंसी निकालने का ये तरीका बिल्कुल गलत, नहीं सुधरे तो रोजाना निकलेंगे 1-2 नए पिंपल्स

पिंपल्स की समस्या बहुत आम होती है। आमतौर पर लोग इनपर ध्यान भी नहीं देते हैं। हालांकि, जब ध्यान दे देते हैं, तो सही तरीके से इस समस्या से निपटने की कोशिश नहीं करते हैं। ऐसे ही एक गलत तरीके के बारे में हम आपको बताने वाले हैं। आइए अब बिना समय बर्बाद किए इस बारे में विस्तार से जान लेते हैं।

मुंहासे क्यों होते हैं?

मुंहासे क्यों नहीं फोड़ें?

पिंपल्स यानी मुंहासे की समस्या बहुत आम होती है। ये परेशानी पुरुषों और महिलाओं दोनों को ही अपना शिकार बनाती है। हालांकि, पहले के समय में पुरुष इन फोड़े-फुंसियों पर इतना ध्यान नहीं देते थे, लेकिन अब स्किन केयर के जमाने में सभी लोग अपनी त्वचा का ख्याल रखते हैं। यही कारण है कि अब चेहरे पर निकली 1 फुंसी भी लोगों के जी का जंजाल बन जाती है। वहीं, कई लोगों के चेहरे पर ये पिंपल एक बार निकलकर बंद नहीं होता है। ये अन्य जगहों पर भी निकलते हैं। एक के बदले में 2-3 निकलते हैं। ऐसा लगता है, मानों बदला ले रहे हैं। यही वजह है कि आज के इस आर्टिकल में हम जानेंगे कि आखिर क्यों हमारे चेहरे पर पिंपल्स की तादाद बढ़ जाती है?

क्यों बढ़ जाते हैं पिंपल्स?

दरअसल, चेहरे पर पिंपल्स बढ़ने की समस्या किसी और नहीं, बल्कि हमारी खुद की वजह से होती है। जी हां, आपको सुनने में ये अजीब लग सकता है, मगर सच यही है कि इन फोड़े-फुंसियों की बढ़ती तादाद के पीछे की वजह हम खुद है। दरअसल, सही तरह से समझाएं, तो हम नहीं हमारा इन फुंसियों से छुटकारा दिलाने का तरीका है। हम जाने-अनजाने में बहुत ही गलत तरीके से पिंपल्स को फोड़ने का काम करते हैं। इस वजह से फुंसियां कम होने की जगह बढ़ जाती है।

पिंपल्स फोड़ना हानिकारक क्यों?

डर्मेटोलॉजिस्ट डॉक्टर गीतिका श्रीवास्तव ने अपने यूट्यूब चैनल पर एक वीडियो पोस्ट की है। इस वीडियो में उन्होंने बताया है कि किस तरह पिंपल्स फोड़ना व्यक्ति की त्वचा के लिए नुकसानदायक होता है। उन्होंने कहा कि ये समस्या स्किन के पोर्स ब्लॉक होने की वजह से होती है। ऐसे में पिंपल्स को फोड़ने से आपको भले ही लग सकता है कि अपने इस स्थिति से बचने के लिए कुछ किया है। मगर पिंपल्स फोड़ने से व्यक्ति की समस्या कई गुना बढ़ जाती है। ऐसे इसलिए होता है, क्योंकि हम पिंपल्स को अपने हाथों से फोड़ते हैं। इससे हाथों के बैक्टीरिया और गंदगी मुंहासों को कई गुना ज्यादा इंफेक्ट कर सकते हैं।

त्वचा से जुड़ी गंभीर समस्या का कारण

हाथों का ये इंफेक्शन त्वचा से जुड़ी सेल्युलाइटिस जैसी गंभीर समस्या का कारण भी बन सकता है। फुंसियों को अपने हाथों से फोड़ने पर इसके आसपास की त्वचा लाल और सूज सकती है। वहीं, अगर आपने एक बार में 2 से 3 फुंसियों को फोड़ दिया, तो इसका मतलब ये है कि आपने एक फुंसी का इंफेक्शन दूसरी में और दूसरी इंफेक्शन तीसरी में फैला दिया है। इससे आपकी फुंसियों का आकार ही नहीं, इनकी तादाद भी बढ़ जाती है।

इस स्थिति से बचाव के लिए आपको पिंपल खुद नहीं फोड़ना है, बल्कि डॉक्टर से फोड़ने के लिए कहना है। बता दें कि डॉक्टर भले ही आपके पिंपल्स को फोड़ने का ही काम करेंगे। मगर इस तरीके से आपको इंफेक्शन या त्वचा की अन्य कोई बीमारी होने का खतरा नहीं रहेगा। साथ ही, एक पिंपल को फोड़ने की वजह से आपको दूसरा पिंपल नहीं निकलेगा। डॉक्टर अपने अनुभव से सही तरह इस समस्या से आपको बचा सकते हैं।

युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कौशल विकास से जोड़ें : मंत्री गुरु खुशवंत साहेब

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने कहा कि राज्य सरकार का मुख्य उद्देश्य युवाओं को रोजगारोन्मुखी कौशल में सशक्त बनाना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार किए जाएँ, ताकि प्रशिक्षित युवाओं को आसानी से रोजगार और स्वरोजगार के अवसर मिल सकें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि हम चाहते हैं कि हर युवा अपने हुनर के बल पर आत्मनिर्भर बने और उसे बेहतर रोजगार या स्वरोजगार के अवसर प्राप्त हों। मंत्री जी ने यह भी निर्देश दिए कि ग्रामीण और दूरदराज़ क्षेत्रों के युवाओं को योजनाओं का बेहतर लाभ मिल सके।

मंत्री श्री साहेब ने कहा कि कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार तथा अनुसूचित जाति विकास मंत्री साहेब ने आज मंत्रालय महानदी भवन नवा रायपुर में विभागीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। इस दौरान कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा, रोजगार और अनुसूचित जाति विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं की प्रगति और आगामी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। तकनीकी शिक्षा विभाग की समीक्षा करते हुए मंत्री गुरू खुशवंत साहेब ने राज्य के इंजीनियरिंग और पॉलिटेक्निक महाविद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने पर विशेष बल दिया। मंत्री श्री साहेब ने कहा- छत्तीसगढ़ के तकनीकी संस्थानों को देश के श्रेष्ठ संस्थानों की श्रेणी में लाने के लिए हमें शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करना होगा। प्रयोगशालाओं सहित अन्य सुविधाएँ सुदृढ़ करना हमारी प्राथमिकता है। इसके साथ ही उन्होंने उद्योगों और शैक्षणिक संस्थानों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

अनुसूचित जाति विकास विभाग की समीक्षा के दौरान मंत्री साहेब ने अधिकारियों से कहा कि समाज के कमजोर और वंचित वर्गों तक योजनाओं का लाभ पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से पहुँचना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी भी पात्र छात्र को छात्रवृत्ति से वंचित नहीं रहना चाहिए। यह हमारी ज़िम्मेदारी है कि अनुसूचित जाति वर्ग के विद्यार्थियों को शिक्षा, प्रशिक्षण और आवासीय सुविधाएँ समय पर रूप से उपलब्ध हों। उन्होंने जिला स्तर पर विशेष निगरानी करने के निर्देश दिए ताकि योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की सतत निगरानी हो सके।

मंत्री श्री गुरू खुशवंत साहेब ने रोजगार विभाग के अधिकारियों से रोजगार मेला एवं प्लेसमेंट कैंप, स्कूल और कॉलेजों में कैरियर मार्गदर्शन, ई-रोजगार पोर्टल, छत्तीसगढ़ रोजगार एप, अग्निवीर भर्ती परीक्षा तथा विभागीय नवाचार सहित विभागीय गतिविधियों की जानकारी ली और अधिकारियों को निर्देशित किया कि राज्य स्तरीय विशाल रोजगार मेला का आयोजन किया जाए ताकि बेरोजगार नवयुवक नियोजित हो सके।

मंत्री श्री साहेब ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि विभागीय कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं की जाए। उन्होंने कहा कि योजनाओं का लाभ वास्तविक हितग्राहियों तक पहुँचना चाहिए। साथ ही उन्होंने अधिकारियों को आमजन के साथ संवाद बनाए रखने, नियमित फील्ड विजिट करने और समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में अपर मुख्य सचिव एवं अध्यक्ष व्यापम श्रीमती रेणु जी पिल्ले ने व्यवसायिक परिक्षा मण्डल की गतिविधियों से अवगत कराया साथ ही उन्होंने व्यापम द्वारा ली जाने वाली प्रवेश परीक्षा, पात्रता परीक्षा और भर्ती परीक्षाओं के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। श्रीमती पिल्ले ने आयोजित परीक्षाओं में अनुचित साधनों को रोकने के लिए किए गए प्रयासों से भी अवगत कराया।

बैठक में कौशल एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. एस भारतीदासन, कौशल विकास के संचालक विजय दयाराम, तकनीकी विश्वविद्यालय एवं आई.टी. आई के अधिकारी गण सहित विभागीय वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना से आत्मनिर्भरता की ओर ग्रामीण परिवार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का असर अब ग्रामीण अंचलों में भी स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। रायगढ़ जिले के ग्राम गुढगहन के निवासी दुलेराम पटेल ने इस योजना के अंतर्गत अपने घर की छत पर 3 किलोवाट क्षमता का रूफटॉप सोलर पैनल स्थापित किया है।

मई माह में उनके सोलर पैनल से 165 यूनिट बिजली का उत्पादन हुआ, जिससे उन्हें 678 रुपये की सब्सिडी प्राप्त हुई। जून माह में 171 यूनिट उत्पादन से 814 रुपये की छूट मिली और उनका बिजली बिल पूरी तरह शून्य हो गया। श्री पटेल ने बताया कि सौर ऊर्जा से न केवल आर्थिक बचत हो रही है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान संभव हो रहा है।

प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना का उद्देश्य प्रत्येक परिवार को स्वच्छ और नवीकरणीय ऊर्जा के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाना है। ग्रामीण उपभोक्ताओं द्वारा इस योजना का लाभ उठाकर नई मिसालें कायम की जा रही हैं, जिससे अन्य लोग भी सौर ऊर्जा अपनाने के लिए प्रेरित हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का कहना है कि प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना से ग्रामीण परिवार आत्मनिर्भर बन रहे हैं। यह न केवल आर्थिक बचत का माध्यम है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है। राज्य सरकार हर पात्र परिवार तक इस योजना का लाभ पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

छत्तीसगढ़ में ग्रिड पद्धति से खेती कर लिखी सफलता की नई इबारत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में खेती की आधुनिक तकनीकों और वैज्ञानिक पद्धतियों को अपनाकर किसान नई ऊँचाइयाँ प्राप्त कर रहे हैं। कोरबा जिले के झगरहा गाँव के 67 वर्षीय प्रगतिशील किसान श्री रामरतन राम निकुंज ने सेवानिवृत्ति के बाद आधुनिक तरीके से खेती कर सफलता की नई मिसाल कायम की है। उन्होंने वर्मी ग्रिड मैथड से हाईब्रीड धान की खेती में प्रति हेक्टेयर 106 क्विण्टल का उत्पादन प्राप्त किया और प्रदेश में प्रथम स्थान हासिल किया।

श्री निकुंज की मेहनत, नवीन सोच और वैज्ञानिक दृष्टिकोण ने यह साबित किया है कि यदि इरादा दृढ़ हो तो उम्र सफलता के मार्ग में बाधा नहीं बनती। उनकी यह उपलब्धि न केवल व्यक्तिगत है, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ के किसानों के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण है। श्री रामरतन निकुंज पूर्व में दक्षिण पूर्वी कोलफील्ड्स लिमिटेड में फोरमेन इंचार्ज के पद पर कार्यरत थे। वर्ष 2018 में सेवानिवृत्त होने के पश्चात् उन्होंने पाँच एकड़ भूमि में आधुनिक और वैज्ञानिक खेती के लिए मॉडल खेत बनाने का संकल्प लिया।

प्रारंभ में कतार बोनी और श्री विधि से धान की खेती करने के बाद वर्ष 2023 से उन्होंने वर्मी ग्रिड मैथड को अपनाया। इस पद्धति में खेत को ग्रिड में विभाजित कर प्रत्येक खंड में वर्मी कम्पोस्ट (केचुआ खाद) का उपयोग किया जाता है। इससे मिट्टी की उर्वरता बनी रहती है, पौधों को संतुलित पोषण मिलता है, खरपतवार नियंत्रण के लिए वीडर का उपयोग करने से रासायनिक दवाओं पर निर्भरता घटती है और उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि होती है। इसी पद्धति से वर्ष 2024 में उन्होंने हाइब्रिड धान की खेती की, जिसमें 106 क्विंटल प्रति हेक्टेयर की रिकॉर्ड पैदावार प्राप्त हुई। इस वर्ष उन्होंने सुगंधित 'देवमोगरा' किस्म पर भी सफल प्रयोग किया है।

खेती में सफलता के पीछे जिला प्रशासन कोरबा और कृषि विभाग का मार्गदर्शन अहम रहा। कृषि अधिकारी श्री कंवर तथा ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी श्री संजय पटेल ने उन्हें समय-समय पर वर्मी ग्रिड मैथड की तकनीक और वैज्ञानिक खेती के तौर-तरीके समझाए। राज्य शासन की योजनाओं से वर्मी कम्पोस्ट संयंत्र, उन्नत बीज और प्रशिक्षण की सुविधाएँ उपलब्ध कराई गईं, जिससे उन्हें नई तकनीक अपनाने में सहायता मिली।

श्री निकुंज न केवल अपनी आमदनी बढ़ाने में सफल रहे, बल्कि उन्होंने आसपास के किसानों को भी इस पद्धति से खेती करने के लिए प्रेरित किया। वे किसानों को जैविक खेती का महत्व समझाते हैं और युवाओं को खेती को व्यवसाय के रूप में अपनाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। उनका मानना है कि खेती अब केवल परंपरागत काम न होकर स्टार्टअप मॉडल बन सकती है। श्री निकुंज की सफलता यह दर्शाती है कि कठोर परिश्रम, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और शासन की योजनाओं का सदुपयोग करके खेती को लाभकारी और सतत् व्यवसाय में बदला जा सकता है। यह उपलब्धि न केवल उनके व्यक्तिगत प्रयासों का परिणाम है, बल्कि प्रदेश के समस्त किसानों के लिए अनुकरणीय उदाहरण है।

तेजी से विकास कार्य कराएं जा रहे हैं : राजस्व मंत्री वर्मा

सकरी में 49.9 लाख के विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने रविवार को बलौदाबाजार प्रवास के दौरान ग्राम पंचायत सकरी में 49.9 लाख रुपए की लागत से होने वाले विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण किया।

मंत्री श्री वर्मा ने जिन विकास कार्यों का लोकार्पण- भूमिपूजन किया उनमें 16 लाख रुपए से किसान कल्याण उत्पादक सहकारी समिति कार्यालय का भूमिपूजन शामिल है। इसी प्रकार 5 लाख रुपए से गली कांक्रीटीकरण, 3 लाख रुपए से महामाया मंदिर परिसर में रंगमंच निर्माण, 6.9 लाख रुपए की लागत से योगा शेड का निर्माण, 16 लाख रुपए से महतारी सदन और 3 लाख रुपए से बाजार चौक में रंगमंच भवन का लोकार्पण शामिल है।

इस अवसर पर मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि हमारी सरकार गांव गरीब, किसान, जवानों के लिए विकास कार्यों को गति दे रही है। जनता से किए गए वादों को समय में पूरा किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि सरकार के जनहितैषी निर्णयों से प्रदेश में खुशहाली का माहौल है। महतारी सदन का उपयोग महिला समूहों की बैठकों और सामुदायिक कार्यक्रमों के लिए किया जाएगा। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष आकांक्षा जायसवाल, नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन, जनपद अध्यक्ष सुलोचना यादव, भारत स्काउट गाइड के राज्य उपाध्यक्ष विजय केशरवानी सहित अनेक जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

आत्मनिर्भरता की मिसाल बनी प्रधानमंत्री सूर्यघर मुक्त बिजली योजना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुक्त बिजली योजना आम जनता के लिए बिजली के मामले में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम बनती जा रही है। इस योजना के तहत सरकार की सब्सिडी से आम लोग अब अपने घर की छत पर सोलर पैनल लगाकर न सिर्फ मुफ्त बिजली प्राप्त कर रहे हैं, बल्कि अतिरिक्त बिजली उत्पादन कर आय का स्रोत भी बना रहे हैं। गौरेला निवासी गोयल ने योजना के लिए केंद्र और राज्य सरकार का आभार जताते हुए कहा कि यह पहल न केवल आर्थिक रूप से लाभकारी है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी अहम भूमिका निभा रही है। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की कि वे भी इस योजना से जुड़कर बिजली के लिए आत्मनिर्भर बनें और हरित ऊर्जा को बढ़ावा दें।

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के गौरेला नगर के अग्रसेन चौक निवासी श्री दिलीप कुमार गोयल ने प्रधानमंत्री सूर्यघर मुक्त बिजली योजना के तहत अपने घर की छत पर 5 किलोवाट की क्षमता का रूफटॉप सोलर पैनल स्थापित कराया है। श्री गोयल बताते हैं कि पहले उनके घर में बिजली की खपत अधिक होने के कारण बिल भी ज्यादा आता था, लेकिन योजना की जानकारी मिलते ही उन्होंने इसका लाभ उठाने का निर्णय लिया। इस योजना के तहत उन्हें केंद्र सरकार से 78 हजार रूपये और राज्य सरकार से 30 हजार रूपए तक की सब्सिडी प्राप्त हुई। अब सोलर पैनल से हो रहे बिजली उत्पादन की बदौलत उनका बिजली बिल पूरी तरह शून्य हो चुका है। इतना ही नहीं, वे अब अतिरिक्त बिजली का उत्पादन कर उसे ग्रिड में भी भेज रहे हैं, जिससे उन्हें आर्थिक लाभ भी मिल रहा है।

सोलर पैनल लगवाने पर केंद्र सरकार की ओर से सब्सिडी दी जाएगीए जो सीधे आपके खाते में आएगी। बिजली बिल शून्य या फिर बहुत ही कम हो जाएगा और बार.बार बिजली गुल होने की टेंशन से मुक्ति मिलेगी। एक बार सोलर पैनल लगा लिया तो समझिए करीब 20.25 साल तक लगभग मुफ्त बिजली का लाभ मिलेगा।

स्वच्छ और ग्रीन ऊर्जा की वजह से आप धरती को भी प्रदूषण से बचाने में अपना योगदान दे पाएंगे। अगर सोलर पैनल से जरूरत से ज्यादा बिजली बनती है तो ग्रिड को बेचकर पैसा भी कमाया जा सकता है।

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाये एवं अधिक जानकारी के लिए पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना आनलाईने पोर्टल पर लॉग ऑन कर विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

हिमालय की ओर रवाना हुई जशपुर की जनजातीय पर्वतारोहण टीम, मुख्यमंत्री साय के विजन को मिला नया आयाम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ गया। जशपुर जिले के पाँच जनजातीय युवा पर्वतारोही हिमाचल प्रदेश स्थित दुर्गम ग्लेशियर क्षेत्र के लिए रवाना हो गए हैं। यह 18 दिवसीय उच्च हिमालयी प्रशिक्षण एवं पर्वतारोहण अभियान केवल साहस और रोमांच का अनुभव ही नहीं, बल्कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के उस विज़न का हिस्सा है, जिसके तहत उन्होंने जनजातीय युवाओं को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने और उन्हें वैश्विक पहचान दिलाने का संकल्प लिया है।

सजन टोप्पो, संजीव कुजूर, प्रतीक एक्का, मनीष नायक और अजीत लकड़ा यह पाँचों युवा जशपुर की जनजातीय पृष्ठभूमि से आते हैं। इनका हिमालय की ओर बढ़ता साहसिक कदम यह साबित कर रहा है कि गाँव और जंगल की मिट्टी से निकले सपने भी दुनिया की सबसे कठिन चोटियों को छू सकते हैं। यह अभियान न केवल जशपुर, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए प्रेरणादायी संदेश है कि अवसर और जज़्बा हो तो कोई मंज़िल दूर नहीं।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने रवाना होने से पूर्व पर्वतारोहण टीम को शुभकामनाएँ और आशीर्वाद दिया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के जनजातीय युवाओं की ऊर्जा और क्षमता को वैश्विक मंच तक पहुँचाना उनकी प्राथमिकता है। राज्य सरकार के सहयोग और प्रतिष्ठित राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के मार्गदर्शन से यह अभियान संभव हो पाया है।

इस यात्रा में स्पेन, अमेरिका और भारत के विख्यात पर्वतारोही और गाइड टीम के साथ रहेंगे। युवा पर्वतारोही बर्फीली चोटियों, ग्लेशियरों और दुर्गम चट्टानों पर चढ़ाई करते हुए नए पर्वतारोहण मार्गों को तलाशेंगे। यह अनुभव आगे चलकर छत्तीसगढ़ के युवाओं को प्रोफेशनल एडवेंचर स्पोर्ट्स और साहसिक पर्यटन की दिशा में सशक्त करेगा।

यह टीम हिमालय की ऊँचाइयों तक पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छ भारत मिशन का संदेश लेकर जाएगी। अभियान की शुरुआत से पहले पर्वतारोहियों ने जशपुर के प्रसिद्ध मधेश्वर धाम में पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया।

यह केवल हिमालय की चढ़ाई नहीं, बल्कि जनजातीय युवाओं की शक्ति, मुख्यमंत्री के विज़न, पर्यावरणीय जागरूकता और रोमांच का संगम है। आने वाली पीढ़ियों के लिए यह एक प्रेरणा बनेगा कि यदि हौसला बुलंद हो तो न केवल हिमालय, बल्कि सपनों की हर ऊँचाई को छुआ जा सकता है।

पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजनाः महंगे बिजली बिल की चिंता खत्म

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पीएम सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना आम नागरिकों के लिए एक प्रभावी एवं लाभकारी योजना साबित हो रही है। इस योजना के माध्यम से राज्य के नागरिको को न केवल सस्ती और सतत् बिजली मिल रही है, बल्कि लोग बिजली के मामले में आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर हो रहे हैं। योजना का उद्देश्य नवीकरणीय ऊर्जा स्त्रोतों को प्रोत्साहित करते हुए घरों की छतों पर सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित कराना है, जिससे उपभोक्ताओं को आर्थिक लाभ के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण में भी अपनी भागीदारी सुनिश्चित हो रही है। सक्ति जिले के ग्राम दतौद निवासी प्रभुदयाल चंद्रा ने अपने घर की छत पर 3 किलोवाट क्षमता का सोलर रूफटॉप पैनल स्थापित कराया गया है। योजना के अंतर्गत केंद्र सरकार द्वारा चंद्रा को 78 हजार रुपये की अनुदान राशि सीधे उनके बैंक खाते में प्रदान की गई है। इस समन्वित सहयोग से नागरिकों पर वित्तीय भार में उल्लेखनीय कमी आई है तथा सौर ऊर्जा को अपनाने हेतु प्रोत्साहन मिला है। श्री चंद्रा ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि सौर ऊर्जा के माध्यम से न केवल बिजली की बचत हो रही है, बल्कि यह योजना हर परिवार को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बना रही है।

खास खबर

दुर्गा मंदिर रत्नाबांधा में चाकू लहराने वाला बदमाश हुआ गिरफ्तार

धमतरी। एसपी के निर्देश पर पुलिस द्वारा जिले में लगातार गुंडा-बदमाशों एवं असामाजिक तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में में थाना सिटी कोतवाली धमतरी पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि दुर्गा मंदिर रत्नाबांधा धमतरी के पास एक युवक चाकू लहराकर आम लोगों को डराने-धमकाने की कोशिश कर रहा है। सूचना पर पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर युवक को पकड़ लिया। वह हाथ में लोहे का बटंची चाकू हवा में लहराकर लोगों को भयभीत कर रहा था। गवाहों की उपस्थिति में आरोपी के कब्जे से एक लोहे का बटंची चाकू जप्त किया गया। इस पर थाना सिटी कोतवाली में अपराध क्र. 222/25 धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर आरोपी को विधिवत गिरफ्तार किया गया एवं न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया। आरोपी तामेश्वर नागरची पिता स्व. दिनेश नागरची 19 वर्ष निवासी रत्नाबांधा पीजी कॉलेज मोड़ धमतरी, थाना सिटी कोतवाली धमतरी निवासी है।

नर भालू का मिला शव

महासमुंद। बागबाहरा वनपरिक्षेत्र में नर भालू का शव मिला है। वन्य प्राणी के शिकार के लिए लगाए गए करंट तार की चपेट में आने से भालू की मौत हुई है। सूचना के बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और भालू के शव को अवराडबरी वन डिपो लेकर आ गई है। वहीं मामले में संदेहियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। जानकारी के मुताबिक, बागबाहरा वनपरिक्षेत्र के कक्ष क्रमांक 179 में करंट लगने से एक नर भालू की मौत हुई है। मृत भालू की उम्र लगभग 12 साल बताई जा रही है। सूचना पर पहुंची टीम ने मौके से भालू का टूटा हुआ जबड़ा और दांत बरामद किया है। इस मामले में वन विभाग जल्द ही खुलासा करेगा।

आकाशीय बिजली गिरने से किसान और चरवाहे की हुई मौत

अंबिकापुर। जिले से एक बड़ी खबर निकलकर सामने आ रही है। यहां आकाशीय बिजली की चपेट में आने से दो लोगों की मौत हो गई। दोनों लोगों की मौत अलग-अलग गांव में हुई है। दोनों व्यक्तियों की मौत के बाद गांव और घरों में मातम छा गया है। पुलिस की टीम ने दोनों व्यक्तियों के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मिली जानकारी के अनुसार, यह पूरा मामला अंबिकापुर जिले के बतौली थाना क्षेत्र का है। यहां टीरंग और शिवपुर गांव के दो व्यक्ति बैल चराने और खेत का काम करने के लिए गए थे। इसी दौरान आकाशीय बिजली गिरी और आकाशीय बिजली की चपेट में आने से दोनों की मौत हो गई। इस घटना के बाद दोनों गांव में मातम छा गया। वहीं घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और दोनों शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम के बाद मृतकों के शव उनके परिजनों को सौंपे जाएंगे।

कंटेनर में भर कर ले जा रहे थे 3 क्विंटल गांजा, दुर्ग पुलिस ने नाकेबंदी कर पकड़ा, तीन तस्कर गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नशे के खिलाफ दुर्ग पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। दुर्ग जिले के कुम्हारी थाना क्षेत्र में पुलिस ने अर्न्तराज्यीय गांजा तस्कर गिरोह को पकड़ने में सफलता पाई है। गांजा की तस्करी कंटेनर के माध्यम से हो रही थी। कुम्हारी टोल प्लाजा के पास नाकेबंदी कर कंटेनर को रोका गया। कंटेनर से 3 क्विंटल, 88 किग्रा कीमती लगभग 60 लाख का मादक पदार्थ गांजा जब्त किया गया है। वाहन कंटेनर कीमती 25 लाख, कंटेनर में भरा अन्य सामान कीमती 51 लाख, गांजा सहित कुल जुमला कीमती 1 करोड़, 53 लाख का माल जब्त किया गया है। की जब्ती हुई है। पुलिस ने कुम्हारी टोल प्लाजा के पास कंटेनर के चालक को दबोचा और दो आरोपियों की गिरफ्तारी नागपुर महाराष्ट्र से हुई है।

सोमवार दोपहर पत्रकार वार्ता में एएसपी शहर सुखनंदन राठौर ने बताया कि दुर्ग जिले में नशे के विरूद्ध लगातार कार्यवाही करने के लिए एसएसपी विजय अग्रवाल ने निर्देश दे रखा है। इसी कड़ी में 7 सितंबर को मुखबिर के जरिए सूचना मिली कि कंटेनर वाहन क्रमांक एनएल 01 एएच -9524 में गांजा भरकर रायपुर से दुर्ग की ओर आ रही है। सूचना पर पुलिस की टीम द्वारा टोल प्लाजा कुम्हारी के पास नाकेबंदी की गई। मुखबीर के बताये अनुसार रायपुर से दुर्ग की ओर कंटेनर गाडी को रोका गया।

एएसपी सुखनंदन राठौर ने दी पूरे घटनाक्रम की जानकारी

पूछताछ पर वाहन चालक ने अपना नाम उमेश यादव पिता शोभित यादव उम्र 46 साल, निवासी जय नगर जिला मधुबनी, बिहार का बताया। पूछताछ के दौरान चालक उमेश यादव ने बताया कि कंटेनर में आमतल्ला कोलकाता पश्चिम बंगाल से सामान लेकर वह गुजरात के लिए निकला था। रास्ते में ग्राम बारकोड़ देवघर ओडिशा में परिचित राहुल मिला। उसने 13 बोरी गांजा को नागपुर में शाहिद के पास छोड़ने कहा और एक बोरी का पांच हजार रुपए देने की बात हुई।

इसके बाद चालक उमेश यादव ने कंटेनर लॉक होने से कंटेनर का नट निकाल कर गेट खोला और उसमें गांजा भरकर नागपुर के निकला। इससे पहले की वह नागपुर पहुंच पाता कंटेनर को पुलिस ने रोका और उसमें भरा गांजा व अन्य सामान जब्त किया। चालक उमेश यादव ने यह भी बताया कि इससे पहले भी गांजा की एक खेप शाहीद के पास नागपुर छोडना बताया है। कंटेनर चालक उमेश यादव के निशानदेही पर थाना कुम्हारी एवं एसीसीयू की संयुक्त टीम नागपुर जाकर ट्रेप लगा कर मादक पदार्थ गांजा खरीदी करने पहुंचे अन्य आरोपी मुस्ताक अहमद एवं फ्याज अंसारी को गिरफ्तार किया। मामले की अग्रिम कार्यवाही थाना कुम्हारी से की जा रही है।

अवैध रेत परिवहन पर बड़ी कार्रवाई 8 से अधिक वाहन हुए जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। जिला प्रशासन द्वारा अवैध उत्खनन, परिवहन और भण्डारण के विरुद्ध कड़ा रुख अपनाया गया है। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा के निर्देशन में राजस्व विभाग, पुलिस और खनिज विभाग की संयुक्त टीमों ने 6-7 की दरम्यानी रात में जिले में अवैध रेत परिवहन पर ताबड़तोड़ कार्रवाई कर अवैध गतिविधियों पर नकेल कसी है। यह कार्रवाई जिले के दोनर और सेलदीप में की गई है और आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

खनिज अधिकारी एच.डी भारद्वाज ने जानकारी देते हुए बताया कि खनिज एवं खान विकास अधिनियम के अंतर्गत अवैध रेत परिवहन पर 8 (आठ) हाईवा अवैध परिवहन में लिप्त पाए जाने पर जब्त किए गए हैं। उक्त हाईवा कंपोजिट बिल्डिंग धमतरी में अभिरक्षा में रखा गया है। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने स्पष्ट रूप से कहा है कि अवैध खनन, रेत के अवैध भंडारण और परिवहन जैसे कार्यों को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जिले में खनिज संसाधनों की सुरक्षा एवं पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने हेतु लगातार निगरानी की जा रही है तथा इस प्रकार की कार्रवाइयाँ आगे भी जारी रहेंगी।'

उन्होंने आमजन से भी अपील की है कि किसी भी प्रकार की अवैध खनन गतिविधि की सूचना तत्काल प्रशासन को दें, ताकि त्वरित कार्रवाई की जा सके। इस प्रकार की सख्त कार्यवाही जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने के साथ ही खनिज संपदाओं के संरक्षण में अहम भूमिका निभा रही है। जिला प्रशासन की यह पहल न केवल अवैध खनन माफ्रियाओं को चेतावनी है, बल्कि यह भी संदेश है कि जिले की प्राकृतिक संपदाओं की संरक्षण में अहम भूमिका निभा रही है।

जंगल में मिली लापता बुजुर्ग की लाश, हत्या या आत्महत्या की आशंका

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलरामपुर। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। राजपुर खुटरापारा निवासी 65 वर्षीय मुद्रिका सोनी की जली हुई लाश जंगल में मिलने से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। मृतक शुक्रवार से लापता था और उसके परिजनों ने उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रविवार को सेमरसोत अभ्यारण क्षेत्र के झालरिया गांव स्थित जंगल में शव मिलने की सूचना पुलिस को मिली, जिसके बाद मामला हत्या और आत्महत्या की आशंका के बीच उलझ गया है।

जंगल में मिली जली लाश से हड़कंप पुलिस के अनुसार देर रात पस्ता थाना क्षेत्र में झालरिया गांव के जंगल में एक शव संदिग्ध अवस्था में पड़ा होने की खबर मिली। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने देखा कि शव जला हुआ था। आसपास कोई स्पष्ट पहचान चिन्ह नहीं था। प्रारंभिक जांच में शव की पहचान लापता मुद्रिका सोनी के रूप में हुई, जिन्हें उनके परिजनों ने मौके पर बुलाकर पहचान की। इसके बाद शव को

पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया और घटना की गहराई से जांच शुरू कर दी गई।

लंबे समय से बीमारी और मानसिक तनाव से जूझ रहे थे मृतक परिजनों ने पुलिस को बताया कि मृतक लंबे समय से बीमार चल रहे थे और मानसिक तनाव से भी ग्रस्त थे। शुक्रवार को वे अचानक बिना बताए घर से निकल गए। घर लौटने में असमर्थ होने पर परिवार ने राजपुर थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। परिवार ने यह भी बताया कि घर से निकलने के बाद वे पुराने बाजार राजपुर से एक जरकिन खरीदते हुए देखे गए थे। इसके बाद उनका कोई सुराग नहीं मिला। परिजनों का कहना है कि वे मानसिक तौर पर परेशान रहते थे और अक्सर बीमारी के चलते तनाव में आ जाते थे। ऐसे में आत्महत्या की आशंका जताई जा रही है। हालांकि परिजन इस बात से अनभिज्ञ हैं कि जंगल में शव जलाकर फेंका गया होगा या उन्होंने खुद आत्महत्या की होगी।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मामला आत्महत्या की ओर इशारा करता है। मृतक की बीमारी और मानसिक तनाव के चलते यह कदम उठाना संभव माना जा रहा है। लेकिन पुलिस ने यह भी साफ कहा है कि फिलहाल किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुँचा जा सकता। घटनास्थल के आसपास की परिस्थितियों, शव की स्थिति, जलने का तरीका और अन्य साक्ष्यों का परीक्षण कर मामले की तहकीकात की जा रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि हत्या की संभावना से भी इंकार नहीं किया जा सकता। यदि कोई तीसरा पक्ष इस घटना में शामिल है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने जंगल के आसपास पूछताछ तेज कर दी है और स्थानीय लोगों से भी घटना से जुड़ी जानकारी मांगी जा रही है।

पुलिस का कहना है कि शव की सही स्थिति, मौत का समय, जलने का कारण और अन्य मेडिकल पहलुओं का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। पुलिस ने शव का विस्तृत परीक्षण कराने के निर्देश दिए हैं ताकि यह स्पष्ट हो सके कि मृतक ने खुद आत्महत्या की या किसी ने उसकी हत्या कर शव जलाकर जंगल में फेंक दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। फ्लिहाल मामला गहन जांच का विषय बना हुआ है। इस घटना ने पूरे बलरामपुर जिले में दहशत का माहौल पैदा कर दिया है। स्थानीय लोगों में भय व्याप्त है और वे पुलिस से त्वरित कार्रवाई की उम्मीद कर रहे हैं। कई लोगों ने जंगल क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ाने की मांग की है ताकि इस तरह की घटनाएं दोबारा न हो।

गरियाबंद में मामूली विवाद पर चाकू से प्राणघातक हमला, तीन आरोपी हुए गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में मामूली विवाद ने खूनी रूप ले लिया। छुरा थाना क्षेत्र के ग्राम सिवनी में एक युवक पर चाकू से प्राणघातक हमला करने के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। घटना 7 सितंबर 2025 की है, जब विवाद बढ़ने पर आरोपियों ने अनुज नामक युवक के पेट में धारदार चाकू से वार कर दिया। पुलिस ने इस मामले में कड़ी कार्रवाई करते हुए भारतीय दंड संहिता और आर्म्स एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध कर गिरफ्तारी की है। मामला तब शुरू हुआ जब प्रार्थी मुरली कुमार ओगरे ने थाना छुरा में रिपोर्ट दर्ज कराई।

उन्होंने बताया कि उनके भतीजे अनुज के साथ ग्राम सिवनी के युवराज ध्रुव, किरण बघेल और अमन ध्रुव ने गाली-गलौच कर विवाद किया। विवाद इतना बढ़ गया कि युवराज ध्रुव ने चाकू से अनुज के पेट में वार कर दिया। घटना के बाद अनुज को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका उपचार शुरू किया गया। पुलिस ने मामले में भारतीय दंड संहिता की धारा 109, 3(5) तथा आर्म्स एक्ट की धारा 25 और 27 के तहत अपराध दर्ज किया। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम गठित की गई। पुलिस ने सभी आरोपियों को उनके घर से पकड़ लिया और गवाहों के सामने विधिवत

पूछताछ की। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि पुरानी रंजिश के चलते विवाद बढ़ा और गुस्से में आकर अनुज पर हमला कर दिया।

आरोपियों की पहचान इस प्रकार है युवराज ध्रुव, पिता नारद राम ध्रुव, उम्र 23 वर्ष, निवासी ग्राम सिवनी, थाना छुरा। अमन ध्रुव, पिता स्व. नेहरू ध्रुव, उम्र 20 वर्ष, निवासी ग्राम सिवनी, थाना छुरा। किरण कुमार बघेल, पिता दयालु बघेल, उम्र 19 वर्ष, निवासी ग्राम सिवनी, थाना छुरा। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त चाकू और आरोपियों की मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली है। जब्ती के बाद तीनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहाँ से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। फ्लिहाल पुलिस पूरे मामले की गहराई से जांच कर रही है और यह पता लगाया जा रहा है कि क्या इसमें कोई और व्यक्ति शामिल है या नहीं। स्थानीय लोगों में इस घटना को लेकर भय और आक्रोश का माहौल है। ग्रामीणों ने बताया कि अनुज और आरोपियों के बीच पहले भी कई बार विवाद हो चुका था। पुलिस प्रशासन ने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया है कि दोषियों को कड़ी सजा दिलाई जाएगी।

यह घटना मामूली विवाद से उपजे गंभीर परिणामों की ओर इशारा करती है। पुलिस अधिकारियों ने आम जनता से अपील की है कि विवाद की स्थिति में तुरंत पुलिस से संपर्क करें और स्वयं कोई हिंसक कदम न उठाएं। साथ ही, सामाजिक सौहार्द बनाए रखने और विवादों को शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाने की आवश्यकता पर जोर दिया गया है। इस घटना ने यह भी दिखा दिया कि छोटे विवाद कैसे अपराध का रूप ले सकते हैं, जिससे समाज में असुरक्षा और तनाव फैलता है। पुलिस अब आरोपियों की आपराधिक पृष्ठभूमि की जांच कर रही है और आसपास के क्षेत्रों में भी सतर्कता बढ़ा दी गई है।

चरित्र शंका और मारपीट से परेशान होकर पत्नी ने की पति की हत्या

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर चांपा। छत्तीसगढ़ के जांजगीर चांपा जिले में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहाँ पत्नी ने अपने पति की गला दबाकर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी महिला दुर्गा बड़ाइक को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। घटना 7 सितंबर की रात करीब 9 बजे मंझली तालाब चाम्पा क्षेत्र में हुई। प्रारंभिक जांच में यह सामने आया कि चरित्र शंका को लेकर लगातार होने वाली मारपीट से परेशान होकर पत्नी ने यह गंभीर कदम उठाया।

मारपीट और आरोप प्रार्थी संजय थवाईत ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। उन्होंने पुलिस को बताया कि 7 सितंबर की शाम लगभग 6 से 7 बजे के बीच उनका जीजा सोमराज बड़ाइक शराब पीकर घर आया और पत्नी दुर्गा बड़ाइक पर चरित्र शंका को लेकर गाली-गलौज और मारपीट करने लगा। परिवार ने बीच-बचाव कर झगड़ा शांत कराया। लेकिन रात

करीब 9 बजे दुर्गा बड़ाइक ने अपने भाई को फोन कर बताया कि पति फिर से मारपीट कर रहा है और वह परेशान हो चुकी है।

हत्या की वारदात घटना की सूचना मिलने पर संजय थवाईत मौके पर पहुंचे। उन्होंने देखा कि सोमराज बड़ाइक कमरे के अंदर बिस्तर पर अचेत पड़ा है। उसे तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल में शव की जांच के बाद पुलिस ने मामला दर्ज किया। प्रारंभिक जांच में पाया गया कि महिला ने अपने दोनों हाथों और तकिया से पति का गला दबाकर उसकी हत्या की। तकिए से हत्या का सबूत मिला पुलिस ने घटना स्थल से तकिया जब्त किया, जिससे हत्या का मामला और स्पष्ट हुआ। पुलिस ने आरोपी महिला दुर्गा बड़ाइक को हिरासत में लिया और पूछताछ की। महिला ने पूछताछ में स्वीकार किया कि उसका पति शराब पीकर रोज चरित्र शंका के आधार पर मारपीट करता था, जिससे वह मानसिक और शारीरिक रूप से परेशान थी। इसी कारण उसने गुस्से और आहत मन से अपने पति की हत्या कर दी।

पुलिस की कार्रवाई और गिरफ्तारी मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कश्यप और एसडीओपी चाम्पा यदुमनी सिदार को घटना की सूचना दी गई। इसके बाद पुलिस ने आरोपी महिला की गिरफ्तारी के लिए तत्काल कार्रवाई शुरू की। पर्याप्त सबूत मिलने के बाद महिला को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। पुलिस ने हत्या के अन्य पहलुओं की जांच भी शुरू कर दी है।

पुलिस अधिकारियों ने कहा कि यह मामला घरेलू हिंसा और मानसिक प्रताड़ना का गंभीर उदाहरण है। चरित्र शंका के नाम पर परिवारों में उत्पन्न तनाव कभी-कभी भयानक अंजाम तक पहुँच जाता है। पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे पारिवारिक विवादों को कानून और संवाद के माध्यम से सुलझाएँ और मानसिक तनाव की स्थिति में विशेषज्ञों से मदद लें। पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त तकिया को जब्त कर मामले की तकनीकी जांच शुरू कर दी है। साथ ही अस्पताल से प्राप्त रिपोर्ट और परिजनों के बयान के आधार पर आगे की जांच की जा रही है। पुलिस ने कहा है कि मामले में शामिल अन्य पहलुओं की भी पड़ताल की जाएगी, ताकि घटना के पीछे के कारणों का पूर्ण खुलासा किया जा सके।

खाद कालाबाजारी व अधिक मूल्य पर विक्रय करने वालों पर कार्रवाई, तीन उर्वरक विक्रेता संस्थानों को नोटिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में नकली एवं मिलावटी खाद की रोकथाम तथा अधिक कीमत पर विक्रय करने वाले विक्रेताओं के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर अमृत विकास तोपनो के निर्देशन में गठित जिला स्तरीय एवं विकासखंड स्तरीय टीम द्वारा खाद विक्रेता संस्थानों की लगातार जांच-पड़ताल कर रही हैं।

कृषि विभाग के उप संचालक कृषि के मार्गदर्शन में अनुविभागीय कृषि अधिकारी सक्ती, उर्वरक निरीक्षक एवं वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी विकासखंड मालखरौदा द्वारा फगुरम में संचालित खाद विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के

दौरान पीओएस स्टॉक एवं भौतिक स्टॉक में अंतर, स्कंध पंजी का संधारण नहीं किए जाने एवं प्रदर्शन बोर्ड का चस्पा नहीं होने की पुष्टि पाई गई। इस पर उर्वरक गुण नियंत्रण आदेश, 1985 के तहत 03 फर्म संचालकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है तथा 07 दिवस के भीतर जवाब प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया गया है। उप संचालक कृषि ने बताया कि किसानों को खरीफ सीजन हेतु उच्च गुणवत्ता युक्त खाद एवं कीटनाशक उचित मूल्य पर उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। इसके लिए विकासखंडों में कार्यरत उर्वरक एवं कीटनाशी निरीक्षकों को निजी प्रतिष्ठानों का नियमित निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

दूरस्थ अंचल के ग्राम मूंगवाल के 50 बच्चों का बना जन्म प्रमाण पत्र
प्रमाण पत्र बनने से बच्चों के अभिभावकों को मिली बड़ी राहत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जिला प्रशासन की पहल से कोंडागांव विकासखंड अंतर्गत मर्दापाल तहसील के दूरस्थ क्षेत्र के गांव ग्राम पदनार और मुंगवाल के 50 बच्चों को जन्म प्रमाण पत्र जारी किए गए हैं। कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना के मार्गदर्शन में जिला योजना एवं सांख्यिकी अधिकारी ने गांव में पहुंचकर बच्चों के यह प्रमाण पत्र वितरित किया। जन्म प्रमाण पत्र बनने से बच्चों के अभिभावकों को बड़ी राहत मिली है। अब तक प्रमाण पत्र न होने के कारण वे शासकीय योजनाओं का लाभ उठाने से वंचित थे। प्रशासनिक प्रयासों के बाद अब बच्चों को शिक्षा, छात्रवृत्ति और अन्य सुविधाओं का लाभ मिल सकेगा।

ज्ञात हो कि जनदर्शन में ग्राम पंचायत पदनार अंतर्गत सुदूर क्षेत्र मूंगवाल के ग्रामीणों द्वारा 50 बच्चों का जन्म प्रमाण पत्र नहीं बनने की समस्या से अवगत कराया गया था, जिसके कारण बच्चों की अपार आईडी भी नहीं बन पा रहा था। कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना द्वारा तहसीलदार मर्दापाल एवं जिला रजिस्ट्रार (जन्म मृत्यु) को सभी बच्चों के जन्म प्रमाण पत्र जल्द से जल्द बनाने के निर्देश दिए थे। तहसीलदार एवं जिला रजिस्ट्रार (जन्म मृत्यु) के संयुक्त तत्वाधान में त्वरित कार्यवाही करते हुए सभी 50 बच्चों के जन्म प्रमाण पत्र प्राथमिक शाला मूंगवाल में वितरित किया गया। ग्रामीणों ने इसके लिए शासन प्रशासन के प्रति आभार जताया।

जन्म या मृत्यु पंजीयन कैसे करवायें?

जिला योजना एवं सांख्यिकी अधिकारी से प्राप्त जानकारी अनुसार जन्म प्रमाण पत्र जन्म एवं मृत्यु के 21 दिवस के भीतर - निःशुल्क प्राप्त कर सकते हैं। शासकीय अस्पताल में प्रसव होने पर डिस्चार्ज के पूर्व जन्म प्रमाण पत्र उसी संस्थान से प्राप्त करें। शासकीय अस्पताल में मृत्यु होने पर प्रमाण पत्र उसी संस्थान से प्राप्त करें। निजी अस्पताल, घर, अन्य स्थान में जन्म, मृत्यु होने पर पंजीयन हेतु संबंधित नगर निगम, नगर पालिका, नगर पंचायत, ग्राम पंचायत में सूचित करें। शिशु के नाम के बिना भी जन्म पंजीयन कराया जा सकता है। जन्म पंजीयन की तारीख से 12 मास के भीतर शिशु का नाम निःशुल्क जोड़ा जावेगा। जन्म, मृत्यु पंजीयन कराने के पश्चात प्रमाण पत्र लेना न भूले। जन्म, मृत्यु प्रमाण पत्र कानूनी पहचान एवं सरकारी सुविधाओं का लाभ लेने हेतु महत्वपूर्ण दस्तावेज हैं। प्रमाण पत्र में नाम तथा तिथि सावधानीपूर्वक दर्ज कराएं जिससे बाद में किसी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके। जन्म या मृत्यु पंजीयन कराने के लिए मोबाइल नंबर तथा ई मेल की जानकारी अवश्य दें।

जन्म या मृत्यु पंजीयन कराने हेतु आवश्यक दस्तावेज

जन्म या मृत्यु पंजीयन कराने हेतु आवश्यक दस्तावेजों में पहचान प्रमाण (आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, राशन कार्ड, ड्रायविंग लाइसेंस आदि), निवास का प्रमाण (बिजली बिल, आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, राशन कार्ड, ड्रायविंग लाइसेंस आदि), मृत्यु पंजीयन के लिए मृत्यु का स्थान एवं मृत्यु तिथि का प्रमाण (चिकित्सक द्वारा प्रमाणित पत्र, पंचनामा आदि) शामिल है।

ऑनलाइन जन्म या मृत्यु पंजीयन कैसे करें?

पोर्टल https//dc.crsorgi.gov.in/crs/Auth/generalpublic के माध्यम से घर में हुई घटना की सूचना 21 दिनों के भीतर रिपोर्ट कर सकते है। 21 दिवस के पश्चात भी ऑनलाइन सूचना दी जा सकती है। प्रत्येक जन्म या मृत्यु हेतु अलग-अलग सूचना देना होगा। लॉगिन के पश्चात, जन्म या मृत्यु के रिपोर्टिंग फॉर्म की जानकारी पूर्ण रूप से भरे। वांछित दस्तावेज भी संलग्न करें। पंजीयन उपरांत प्रमाण पत्र की जानकारी उपलब्ध कराए गए ईमेल आईडी एवं मोबाईल नम्बर पर भी प्राप्त हो जाएगा।

महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने धरसेड़ी आंगनबाड़ी केंद्र का किया निरीक्षण

रायपुर। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े आज सूरजपुर जिले के भटगांव विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम धरसेड़ी पहुंचीं। उन्होंने यहां आंगनबाड़ी केंद्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मंत्री राजवाड़े ने केंद्र में बच्चों को प्रदत्त पोषण आहार की गुणवत्ता और उपलब्धता का बारीकी से जायजा लिया। साथ ही उन्होंने आंगनबाड़ी परिसर की स्वच्छता, बच्चों की उपस्थिति, खेल-खेल में सीखने की व्यवस्था तथा कार्यकर्ताओं की मौजूदगी की भी जानकारी प्राप्त की।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं से नियमित रूप से बच्चों को समय पर पौष्टिक आहार उपलब्ध कराने और केंद्र में साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास की बुनियाद हैं, इसलिए यहां दी जाने वाली सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

श्रीमती राजवाड़े ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि केंद्रों में पंजीकृत बच्चों को समय पर पूरक पोषण आहार, टीकाकरण और अन्य सेवाएं सुनिश्चित की जाएं। साथ ही गर्भवती एवं धात्री माताओं को भी योजनाओं का लाभ समय पर मिले, इसके लिए विशेष निगरानी रखी जाए।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने ग्रामीणों से भी संवाद कर केंद्र की व्यवस्थाओं की जानकारी ली और उन्हें बच्चों की शिक्षा व पोषण संबंधी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए जागरूक किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार महिला और बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा एवं पोषण को लेकर प्रतिबद्ध है और इस दिशा में सतत प्रयास जारी हैं। निरीक्षण के दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

किसानों को 6636 करोड़ रुपए का मिला ब्याज मुक्त ऋण

चालू खरीफसीजन में प्रदेश के 14.96 लाख किसान हुए लाभान्वित, सभी 2058 पैक्स सोसायटियों को पीएम किसान समृद्धि केंद्र स्थापित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में चालू खरीफसीजन में किसानों को 6636 करोड़ रुपए का ब्याज मुक्त ऋण वितरित किया जा चुका है। ब्याज मुक्त ऋ ण वितरण से 14 लाख 96 हजार किसान लाभान्वित हुए है। यह जानकारी अपेक्स बैंक के प्राधिकृत अधिकारी केदार नाथ गुप्ता की अध्यक्षता में हुई बैठक में दी गई।

अपेक्स बैंक की बोर्ड की बैठक में केदार नाथ गुप्ता ने कहा कि डेयरी, मत्स्य पालन और वनोपज प्रसंस्करण जैसी रोजगार आधारित योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाई जाए। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे और किसानों की आय बढ़ाने में मदद मिलेगी। उन्होंने खाद की उपलब्धता और वितरण की समीक्षा करते हुए कहा सहकारिता के अंतर्गत कि इस साल खरीफ सीजन के लिए राज्य सरकार ने 10.72 लाख मेट्रिक टन खाद वितरण का लक्ष्य रखा है, और अब तक 8 लाख 69 हजार मेट्रिक टन खाद का भंडारण किया गया है। इनमें से 8 लाख 01 हजार मीट्रिक टन खाद किसानों को वितरित किया जा चुका है। समितियों के गोदामों में 67 हजार मेट्रिक टन खाद उपलब्धता है।

बैठक में यह भी बताया गया कि राज्य के सहकारी बैंकों में 262 एटीएम और सभी पैक्स सोसायटियों में 2058 माइक्रो एटीएम स्थापित किए गए हैं। साथ ही किसानों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए सभी 2058 पैक्स सोसायटियो को पीएम किसान समृद्धि केंद्र बनाए गए। इससे किसानों को आसानी से अपने खाते से राशि निकालने की सुविधा मिल रही है।

बैठक में नाबार्ड के उप महाप्रबंधक अजय थुटे, अपेक्स बैंक के प्रबंध संचालक के.एन. कांडे, संयुक्त पंजीयक उमेश तिवारी, उप पंजीयक व महाप्रबंधक युगल किशोर, ओएसडी अविनाश श्रीवास्तव, एजीएम अरुण पुरोहित, एजीएम एल के चौधरी और अन्य बैंक के अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री साय ने रायपुर की पहली महिला विधायक स्व. रजनी ताई उपासने के निवास पहुंचकर अर्पित की श्रद्धांजलि

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय राजधानी रायपुर के पुलिस लाइन स्थित रायपुर की पहली महिला विधायक एवं समाजसेवी स्वर्गीय रजनी ताई उपासने के निवास पहुँचे और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने रजनी ताई उपासने के योगदानों का पुण्य स्मरण किया तथा शोक संतप्त परिजनों से भेंट कर उन्हें सांत्वना दी। इस अवसर पर पूर्व राज्यसभा सांसद श्री कैलाश सोनी, संतोष शर्मा, जगदीश उपासने सहित परिजन उपस्थित थे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि रजनी ताई का निधन पूरे समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। आपातकाल के कठिन दौर में उन्होंने जिस साहस और धैर्य का परिचय दिया, वह प्रेरणादायी है। अपने कार्यकाल में उन्होंने जनता के हितों और रायपुर के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। सादगी, ईमानदारी और समाज से गहरे जुड़ाव के कारण उन्हें विशिष्ट पहचान मिली। वे महिलाओं और वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए निरंतर सक्रिय रहीं। श्री साय ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। उल्लेखनीय है कि रायपुर की पहली महिला विधायक और समाजसेवी रजनी ताई उपासने का हाल ही में 92 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वर्ष 1977 में जनता पार्टी से चुनाव जीतकर उन्होंने इतिहास रचते हुए रायपुर की पहली महिला विधायक बनने का गौरव प्राप्त किया।

युक्तियुक्तकरण से 16 शिक्षक विहीन एवं एकल शिक्षकीय स्कूलों को मिले शिक्षक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। गरियाबंद जिला अपने प्राकृतिक सौंदर्य, घने वनों और जनजातीय बाहुल्य क्षेत्र के लिए जाना जाता है। लंबे समय से जिले के मैनपुर, देवभोग, छुरा एवं गरियाबंद विकासखंडों के वनांचल गांवों में शिक्षकों की कमी एक बड़ी चुनौती रही है। मौहानाला, भीमाटीकरा, धुमरापदर और भरूवामुड़ा जैसे अनेक गांवों के बच्चे वर्षों तक प्राथमिक शिक्षा से वंचित रहे। अभिभावक अपने बच्चों को शिक्षा दिलाने को लेकर चिंतित रहते थे।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में शासन द्वारा प्रारंभ की गई युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया ने इस स्थिति को बदल दिया है। इस प्रक्रिया के अंतर्गत जिले में कार्यरत विभिन्न शिक्षक संवर्गों के अतिशेष शिक्षक शिक्षकविहीन एवं एकल शिक्षकीय शालाओं में पदस्थ किए गए है। परिणामस्वरूप जिले के सभी 16 शिक्षकविहीन विद्यालयों और दर्जनों एकल शिक्षकीय विद्यालयों में अब शिक्षकों की पूर्ति हो चुकी है।

प्राथमिक शाला अकलवारा, डोंगरीपाली कांदागढ़ी, मौहानाला, भीमाटीकरा, बोईरगांव, टीमनपुर, धमना, आश्रम शाला भौदी, कुकरार, रावनसिंघी, अमलोर, पीपलाकन्हार, माध्यमिक शाला धुमरापदर, भरूवामुड़ा, कन्या आश्रम नगबेल एवं माध्यमिक शाला ओड़ जैसे स्कूलों में शिक्षकों की नियुक्ति होने से अब बच्चों को अपने ही गांव में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल रही है। ग्रामीणों ने इस पहल को सराहते हुए शासन का आभार व्यक्त किया है।

शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने बताया कि देवभोग विकासखंड में पूर्व में 6 हाईस्कूल ऐसे थे, जहां केवल एक-एक शिक्षक कार्यरत थे। एक शिक्षक के भरोसे सभी विषयों की पढ़ाई कराना मुश्किल हो रहा था। युक्तियुक्तकरण के माध्यम से अब इन सभी स्कूलों में शिक्षकों की पूर्ति हो गई है। इसी तरह मैनपुर विकासखंड के दूरस्थ गांवों में भी लंबे समय से शिक्षक नहीं पहुंच पा रहे थे, परंतु अब स्थिति पूरी तरह बदल गई है। कुल्हाड़ीघाट, नकबेल, गरीबा, गोबरा और सहेबीनकछार जैसे गांवों में शिक्षकों की पदस्थापना से वर्षों पुरानी समस्या का समाधान हुआ है। शासन के निर्देशानुसार ओपन काउंसलिंग के माध्यम से जिले में युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया संपन्न की गई। मैनपुर, देवभोग, छुरा एवं गरियाबंद विकासखंडों में पहले 16 शिक्षकविहीन एवं 167 एकल शिक्षकीय शालाएं थीं, जहां अब आश्यकता के अनुरूप शिक्षक पदस्थ किए गए है। वनांचल एवं दूरस्थ अंचलों के बच्चों को शिक्षा के अधिकार से जोड़ने में युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया मील का पत्थर साबित हुई है।

युक्तियुक्तकरण से सुदूर अंचलों के विद्यार्थियों को मिलने लगी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा

रायपुर। राज्य शासन की युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया ने सुदूर अंचलों में शिक्षा की गुणवत्ता को नई दिशा प्रदान की है। कोरबा जिले के पोड़ी-उपरोड़ा ब्लॉक के मांचाडोली हायर सेकेंडरी स्कूल में राजनीति विज्ञान विषय के विशेषज्ञ शिक्षक आर.के. चन्द्रा की पदस्थापना से विद्यालय का शैक्षणिक वातावरण में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। पूर्व में विद्यालय में विषय-विशेषज्ञ शिक्षक उपलब्ध न होने के कारण विद्यार्थियों को अपनी रुचि के अनुरूप विषय चुनने में कठिनाई होती थी।

छात्रावास-आश्रमों की सुचारु संचालन पर पूरा ध्यान दें: मंत्री गुरु खुशवंत साहेब

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अनुसूचित जाति विकास विभाग के मंत्री गुरू खुशवंत साहेब ने आज मंत्रालय, महानदी भवन में अनुसूचित जाति वर्ग के हितार्थ संचालित योजनाओं के संबंध में विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक ली। पदभार ग्रहण करने के बाद यह उनकी पहली बैठक हैं। प्रमुख प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा एवं आयुक्त डॉ. सारांश मित्तर ने उनका अभिवादन किया।

मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने कहा कि विभागीय छात्रावास-आश्रमों में अध्ययनरत बच्चों को अध्ययन के दौरान किसी प्रकार की असुविधा ना हो इसका पूरा ध्यान रखा जाना चाहिए। छात्रावासों में अच्छी साफ-सफाई, पौष्टिक भोजन एवं अच्छी शिक्षण व्यवस्था के साथ-साथ बच्चों के शयनकक्ष भी साफ-सुथरे होने चाहिए। छात्रावासों में शुद्ध पेयजल एवं स्वच्छ शौचालय की व्यवस्था हो, इस पर विशेषरूप से ध्यान दिए जाने की जरूरत है।

उन्होंने विभागीय अधिकारियों को विशेष रूप से छात्रावास-आश्रमों के निरीक्षण किए जाने के निर्देश भी

दिए। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति वर्ग की आस्था के प्रतीक गिरौदपुरी एवं भंडारपुरी के समन्वित विकास हेतु शीघ्र एक कार्ययोजना तैयार की जाए। उन्होंने रायपुर अथवा आरंग में अनुसूचित जाति वर्ग के विद्यार्थियों हेतु पृथक से एक प्रयास आवासीय विद्यालय खोले जाने के संबंध में आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश भी दिए।

बैठक में प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा द्वारा अनुसूचित जातियों के हितार्थ चलाई जा रही योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि वर्तमान में विभाग अंतर्गत संचालित कुल 3357 छात्रावास-आश्रमों में से अनुसूचित जाति वर्ग हेतु संचालित छात्रावास-आश्रमों की संख्यां 485 है एवं इसमें कुल स्वीकृत सीट 26000 हैं इनमें नियमानुसार बच्चों को प्रवेश दिया जाता है। उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य अनुसचित जाति आयोग, अनुसूचित जाति सलाहकार परिषद एवं अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण के संबंध में भी विस्तार से जानकारी दी।

प्रमुख सचिव श्री बोरा ने बताया कि विभाग अंतर्गत संचालित कुल 20 क्रीड़ा परिसरों में से सक्ती एवं मुगेंली में अनुसचित जाति क्रीड़ा परिसर संचालित हैं। इन क्रीड़ा परिसरों में सीट संख्या बढ़ाने एवं इसका अधिकाधिक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश मंत्री ने दिए। मंत्री ने मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा प्रोत्साहन योजना के माध्यम से बच्चों को पढ़ने के लिए विदेश भेजने संबंधी कार्ययोजना बनाने के निर्देश भी दिए।

प्रमुख सचिव बोरा द्वारा ऑनलाइन छात्रवृत्ति एवं भोजन सहाय योजना की राशि जारी के संबंध में आवयक जानकारी दी गई। उन्होंने आर्यभटट विज्ञान एवं वाणिज्य शिक्षा प्रोत्साहन योजना के संबंध में भी आवश्यक जानकारी दी। इसके अलावा ट्रायबल यूथ हॉस्टल, परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र एवं सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना की जानकारी दी गई। इनमें अनुसूचित जाति वर्ग की सीटें बढ़ाने के निर्देश मंत्री द्वारा दिए गए। साथ ही प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्यूदय योजना (पीएम अजय) एवं अत्याचार निवारण अधिनियम अधिनियम अंतर्गत राहत सहायता की जानकारी जानकारी ली और आवश्यक निर्देश दिए। आयुक्त डॉ. सारांश मित्तर ने बैठक में बताया कि जनगणना 2011 के अनुसार प्रदेश में अनुसूचित जातियों का प्रतिशत 12.82 एवं कुल जनसंख्या 32.47 लाख है, जबकि अनुसूचित जातियों की संख्यां 44 है। उन्होंने बताया कि अनुसूचित जाति में नई उपजाति को जोड़ने अथवा किसी जाति में मात्रात्मक त्रुटि के संबंध में प्राप्त प्रस्ताव का आदिम जाति अनुसधान एवं प्रशिक्षण संस्थान के माध्यम से गहन अध्ययन पश्चात प्रस्ताव शासन के माध्यम से सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार को प्रेषित किया जाता है, जहाँ पर नियमानुसार कार्यवाही उपरांत महामहिम राष्ट्रपति महोदय के अनुमोदन पश्चात इसका प्रकाशन राजपत्र में होता है। बैठक में टीआरटीआई संचालक हिना अनिमेष नेताम, उप सचिव सरोजिनी टोप्पो, अपर संचालक जितेन्द्र गुप्ता, आर.एस.भोई एवं अन्य विभागीय अणिकारी उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950